# स्मारिका २०२२

संरक्षकः
श्री केवल खुराना, आई.पी.एस.
कमाण्डेन्ट जनरल होमगार्ड्स एवं
निदेशक नागरिक सुरक्षा उत्तराखण्ड।

दिसम्बर 2022 | वर्ष 8, अंक 8

उत्तराखण्ड होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा
होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा मुख्यालय
ननूरखेड़ा, रायपुर
देहरादून, उत्तराखण्ड–248008
फोन: +91 135 2784473 | +919458950814
Uttarakhand Homeguards & Civil Defence
E-mail: cghgcduk@gmail.com
Web: www.nishkamhgcd.uk.gov.in

## संपादक की कलम से

होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा के स्थापना दिवस पर प्रकाशित वार्षिक स्मारिका पत्रिका आपके समक्ष एक नवीन आवरण में प्रस्तुत है। इस अंक में होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा के सदस्यों की स्वरचित रचनायें, आलेख, कवितायें एवं संस्मरण प्रकाशित किये गये हैं। स्मारिका में संगठन के कार्यकलापों, उपलब्धियों एवं संगठनात्मक ढांचे के अन्तर्गत किये गये कुछ ऐसे कार्यों की झलक प्रस्तुत है जो सीमित संसाधनों के अन्तर्गत विभाग द्वारा वर्षानुवर्ष किये गये है। स्वयंसेवक तथा संगठन जटिलताओं का सामना करते हुए किस प्रकार प्रगति के सोपान पर अग्रसर है यह स्मारिका उसके कथानक के रूप में प्रस्तुत है।

स्मारिका के प्रकाशन का उद्देश्य विभाग के सदस्यों को विचारो के आदान–प्रदान करने हेतु एक मंच उपलब्ध कराना है। सदस्यों की असाधारण सोच तथा गुणात्मकता ने सृजित रचनाओं के संकलन की स्थिति को इन्द्रधनुषीय स्वरूप प्रदान किया है जो आने वाले वर्षों में विभागीय सूचनाओं तथा जानकारियों के लिये अपने नये आयाम में सदैव पल्लवित होती रहेगी। उनके सद्प्रयासों ने ही स्मारिका के इस स्वरूप को जन्म दिया है।

मैं स्मारिका 2022 के प्रकाशन में सहायता प्रदान करने वाले उन सभी जनों का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होनें अत्यन्त अल्प अवधि में रचनाओं के संकलन के कार्य को पूर्ण करते हुए इसे प्रकाशित कराने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

राजीव बलोनी
डिप्टी कमाण्डेन्ट जनरल होमगार्ड्स

परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम् ।
धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे

ले.ज. गुरमीत सिंह
पीवीएसएम, यूवाईएसएम,
एवीएसएम, वीएसएम (से.नि.)
राज्यपाल उत्तराखण्ड

राजभवन उत्तराखण्ड,
देहरादून-248003
फोन: 0135-2757400
2757403

# संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि 6 दिसम्बर, 2022 को होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा संगठन के स्थापना दिवस के अवसर पर एक स्मारिका का प्रकाशन तथा कर्तव्यनिष्ठ होमगार्ड्स के दिवंगत आश्रितों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के साथ–साथ अन्य अनेक महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा संगठन अपने मूल उद्देश्य क्रमशः "निष्काम सेवा'' एवं ''सर्व भूत हिते रतः '' को सर्वोपरि मानते हुए देश व प्रदेश की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान देता रहा है।

मैं आशा करता हूँ कि भविष्य में भी होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा संगठन के सदस्य कानून व्यवस्था, साम्प्रदायिक सौहार्द, प्राकृतिक आपदाओं और जनसेवा के कार्यों में समर्पित होकर अपना योगदान देते रहेंगे ।

मैं स्थापना दिवस के अवसर पर उत्तराखण्ड होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा संगठन के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्वयं सेवकों को बधाई देते हुए कार्यक्रम की सफलता के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ।

गुरमीत

ले.ज. गुरमीत सिंह
पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, वीएसएम (से.नि.)

अमित शाह

गृह मंत्री
भारत

# संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि नागरिक सुरक्षा एवं गृह रक्षक संगठन द्वारा दिनाँक 6 दिसम्बर 2021 को अपना 59 वां स्थापना दिवस मनाया जा रहा है।

परंपरागत रूप से दोनों संगठन संकट के समय में राष्ट्र को मूल्यवान निस्वार्थ सेवा प्रदान करते हैं। कोविड 19 महामारी के विरूद्ध लडाई में नागरिक सुरक्षा और गृह रक्षक संगठनों की प्रतिबद्धता और सहारात्मक योगदान प्रशंसनीय है। मुझे विश्वास है कि वे वर्तमान कोविड–19 परिदृश्य में उपयुक्त व्यवहार के लिए समुदाय को प्रेरित करते रहेंगे और भविष्य में भी समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ काम करेंगे।

नागरिक सुरक्षा एवं गृह रक्षक संगठन के वार्षिक दिवस के अवसर पर उनके आदर्श वाक्या **'सर्व भूत हिते रतः'** एवं **'निष्काम सेवा'** के साथ समुदाय और राष्ट्र को सशक्त बनाने कि दिशा में सकारात्मक योगदान की अपेक्षा करता हूँ।

मैं नागरिक सुरक्षा एवं गृह रक्षक संगठन के स्थापना दिवस के अवसर पर समस्त अधिकारियों, कार्मिकों व स्वयं सेवकों को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए सभी भविष्य के प्रयासों में सफलता की कामना करता हूँ।

शुभकामनाओं सहित,

**अमित शाह**

पुष्कर सिंह धामी

मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सचिवालय
देहरादून-248001
फोन : 0135-2650433
: 0135-2716262
फैक्स: 0135-2712827
कैम्प कार्यालय
फोन : 0135-2650033
: 0135-2750344
फैक्स: 0135-2752144

# संदेश

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि उत्तराखण्ड होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा संगठन द्वारा 06 दिसम्बर, 2022 को अपनी स्थापना की वर्षगांठ पर होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा दिवस'' का आयोजन किया जा रहा है। उत्तराखण्ड होमगार्ड्स नागरिक सुरक्षा संगठन राष्ट्रीय एकता, अखण्डता एवं अनुशासन के प्रति सजग रहते हुए अपने मूल उद्देश्य क्रमशः ''निष्काम सेवा एवं सर्व भूत हिते रतः'' के लिए सदैव तत्पर रहा है। कानून व्यवस्था को सुदृढ करने, दैवीय आपदाओं एवं आपातकालीन परिस्थितियों में सौंपे गये दायित्वों का निर्वहन करने, चारधाम यात्रा को सकुशल संपादित करने, राज्य में आयोजित विभिन्न मेलों को सकुशल सम्पन्न कराने तथा निर्वाचन ड्यूटी को पूर्ण लग्न एवं निष्ठा से सम्पन्न कराने में संगठन का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। मुझे आशा ही नही वरन् पूर्ण विश्वास है कि संगठन भविष्य में भी इसी प्रकार देश एवं प्रदेश की सुरक्षा में अपना योगदान देता रहेगा। राज्य सरकार भी होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा को और अधिक निपुण, दक्ष व सशक्त बनाये जाने की दिशा में प्रयासरत है।

मेरी ओर से होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा संगठन स्थापना दिवस के शुभअवसर पर संगठन के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्वयं सेवकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें ।

(पुष्कर सिंह धामी)

अजय भल्ला, भा.प्र.से.
Bkbz !Ci bmmb- JBT

गृह सचिव
Ipnf!Tfdsfubsz
भारत सरकार
Hpwfsonfou!pg!Joejb
नार्थ ब्लाक/Opsui !Cmpdl
नई दिल्ली/Ofx !Efmij



# संदेश

! Ju!jt!b!nbuufs!pg!qsjef!boe!tbujtgbdujpo!uibu!Djwjm!Efgfodf!boe!Ipnf!Hvbset-!uif!uxjo!tubuvupsz!wpmvoubsz!pshboj{bujpot-!efejdbufe!up!uif!tfswjdf!pg!uif!obujpo-!tibmm!cf!Dfmfcsbujoh!uifjs!6:!Sbjtjoh!Ebz!po!17ui!Efdfncfs!3132/

3/! Wpmvouffst!pg!Djwjm!Efgfodf!boe!Ipnf!Hvbset!pshboj{bujpot!qmbz!b!wjubm!spmf!jo!ibsofttjoh!dpnnvojuz!fggpsut!bu!uif!ujnf!pg!dsjtjt!boe!sfoefs!wbmvbcmf!tfswjdf!up!uif!obujpo!cz!fyufoejoh!tvqqpsu!up!Bsnfe!Gpsdft-!nbjoubjojoh!mbx!boe!psefs!boe!qspwjejoh!sfmjfg!up!uif!wjdujnt!pg!obuvsbm!ejtbtufst0dbmbnjujft!boe!ibsetijqt/!Uifjs!tfmgmftt!tfswjdf!sfoefsfe!evsjoh!DPWJE!2:!qboefnjd!boe!tvqqpsu!up!mpdbm0tubuf!benjojtusbujpo!fnfshfe!bt!b!sfbm!gpsdf!nvmujqmjfs/

4! J!bn!dpoæefou!uibu!uif!dpvsbhf-!ejtdjqmjof!boe!tfotf!pg!efejdbujpo!pg!bmm!uiptf!bttpdjbufe!xjui!Djwjm!Efgfodf!boe!Ipnf!Hvbset!xjmm!fobcmf!uifn!up!tfswf!pvs!dpvousz!xjui!hsfbufs!{fbm!boe!fouivtjbtn!jo!qvstvbodf!pg!uifjs!npup!"सर्व भूत हिते रत:"!boe!"निष्काम सेवा"!sftqfdujwfmz/

5! J!fyufoe!nz!ifbsujftu!hsffujoht!up!uif!nfncfst!pg!Djwjm!Efgfodf!boe!Ipnf!Hvbset!Pshboj{bujpot!po!uif!pddbtjpo!pg!uifjs!Sbjtjoh!Ebz!po!17ui!Efdfncfs!3132!boe!xjti!uifn!bmm!uif!tvddftt!jo!uifjs!gvuvsf!foefbwpvst/

10/11/21

Bkbz !Ci bmmb

Qmbdf!Ofx !Efmij

Ebuf!21/22/3132

डॉ0 सुखबीर सिंह संधू
आई.ए.एस.

मुख्य सचिव
Chief Secretary

उत्तराखण्ड शासन,
Govt. of Uttarakhand
नेताजी सुभाष चन्द्र बोस भवन
Netaji Subhash Chandra Bose Bhawan
सचिवालय
Secretariat
4, सुभाष मार्ग, देहरादून
4, Subhash Marg, Dehradun
Phone: (Off) 0135-2712100
0135-2712200
(fax) 0135-2712500
E-mail: cs-uttarakhand@nic.in

# संदेश

यह प्रसन्नता का विषय है कि दिनांक 06 दिसम्बर, 2022 को होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा संगठन का स्थापना दिवस मनाया जा रहा है और इस उपलक्ष्य में रैतिक परेड तथा अन्य कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा रहा है।

यह सर्वविदित है कि पुलिस बलों के सहायक बल के रूप में यह संगठन प्रदेश में शांति व्यवस्था को बनाये रखने के लिए सदैव सन्नद्ध रहता है। संगठन के मूल आधार ''निष्काम सेवा'' से समर्पित यह संगठन सदैव प्राकृतिक आपदाओं के अवसर पर जनमानस की सहायता के लिए अपनी सेवाओं को समर्पित करता है।

जिस प्रकार संगठन ने अत्यन्त सीमित समय में अपनी उपयोगिता सिद्ध की है तथा शासन–प्रशासन के मध्य अपना स्थान निर्धारित किया है, वह अत्यन्त प्रशंसनीय है। आगामी स्थापना दिवस समारोह के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं ।

**(डॉ0 सुखबीर सिंह सन्धु)**
मुख्य सचिव।

राधा रतूड़ी, भा.प्र.से.
अपर मुख्य सचिव

उत्तराखण्ड शासन

**उत्तराखण्ड शासन**
गृह एवं कारागार विभाग
2 सुभाष मार्ग, देहरादून–248001
दूरभाष–0135–2712055
(फैक्स) 0135–2712014

# संदेश

यह अपार हर्ष का विषय है कि 6 दिसम्बर 2022 को होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा संगठन अपना स्थापना दिवस मनाने जा रहा है।

उत्तराखण्ड होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा संगठन राष्ट्रीय एकता एवं अनुशासन के प्रति सजग रहते हुए अपने मूल उद्देश्य ''निष्काम सेवा'' के लिए सदैव तत्पर रहा है। मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि जहां होमगार्ड्स संगठन के सभी सदस्य निष्काम सेवा की भावना के साथ भावी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे एवं पूर्ण मनोयोग से कानून व्यवस्था साम्प्रदायिक सौहार्द बनाये रखने में पुलिस बल के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर कार्य करेंगे वहीं नागरिक सुरक्षा संगठन ''सर्व भूत हिते रतः'' के अपने मूल उद्देश्य को सार्थक बनाने हेतु सदैव अग्रणी रहेगा।

होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा संगठन के स्थापना दिवस के अवसर पर मैं संगठन के समस्त सदस्यों को बधाई देती हूँ तथा कर्तव्य पालन में मृत स्वयंसेवकों को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूँ।

(राधा रतूडी)

ताज हसन, भा.पु.से.

महानिदेशक

Fire Service | Civil Defence | Home Guards

अग्नि सेवा, नागरिक सुरक्षा एवं गृह रक्षक
गृह मंत्रालय, भारत सरकार
पूर्वी खण्ड–WJJ, तल–7, आर.के. पुरम
नई दिल्ली–110066
दूरभाष: 011–26712851/26715303

Gjsf !Tfswjdft-!Djwjm!Efgfodf!' !Ipn f hvbset
Njojtusz !pg!Ipn f!bggbjst-!Hpwu/!pg!Joejb
Fbtu!Crpdl .WJJ-!Mfwfm8-!S/L/!Qvsbn
Ofx !Efmij.221177
Qipof;!122.37823962037826414
Fn bjm!ehgtdei hA hn bjm/dpn
ehA ehgtdei h/hpw/jo


EP !Op!WJ.43123030126.EHDE!)IH*

Ebufe<!Opwfn cfs-!3132

# Message

! J!bn !i bqqz!up!l opx !ui bu!ui f!Djwjm!Efgfodf!boe!Ipn f!Hvbset!Pshboj{bujpot! bsf!dfmfcsbujoh!ui fjs!6:ui !Boovbm!Ebz!po!7ui !Efdfn cfs-!3132

! Ui f!Djwjm!gfodf!Pshboj{bujpo!i bt-!pwfs!ui f!zfbst-!sfoefsfe!wbmvbcmf!tfswjdf! joui f!tqjsju!pg!wpmvoubsjtn !jo!b!wbsjfuz!pg!ej fsfou!fn fshfou!tjuvbujpot!boe!ejtbtufst-! fud/Lffqjoh!jo!wjfx !ui f!n vmujgbsjpvt!di bmmfohft!gbdjoh!ui f!tpdjfuz!boe!obujpo-!ui fsf! jtdpotjefsbcmf!tdpqf!up!gvsui fs!i bsoftt!ui f!qpufoujbm!pg!ui jt!jn qpsubou!pshboj{bujpo-! boe-tufqt!bsf!voefsx bz!up!x bset!ui jt!foe/

! Ui f!Ipn f!Hvbset!Pshboj{bujpo!i bt!gps!mpoh!cffo!sfoefsjoh!wbmvbcmf!tvqqpsu! joui f!tqi fsft!pg!n bjoufobodf!pg!mbx !boe!psefs!boe!tfdvsjuz!jodmvejoh!qfsgpsn bodf! pgwbsjfuz!pg!evujft!boe!ubtlt!evsjoh!jn qpsubou!fwfout!boe!pddbtjpot!mjlf!fmfdujpo-! n bkpsgbjst!boe!gftujwbmt-!fud!Fwfo!i fsf-!x f!offe!up!tff!i px !ui f!qpufoujbm!pg!ui f! pshboj{bujpoboe!jut!n fn cfst!dbo!cf!tujmm!n psf!n fbojohgvmmz!vujmj{fe/

! Po!ui f!pddbtjpo!pg!ui fjs!Boovbm!Ebz!J!fyufoe!up!ui f!n fn cfst!pg!cpui !ui f! pshboj{bujpot-!hsffujoht!boe!cftu!x jti ft-!boe!i pqf!ui bu!ui fz!x jmm!x psl !x jui !sfofx fe! efejdbujpo!up!gvsui fs!ui fjs!usbejujpo!boe!vqi pmejoh!ui f!n pup!pg!#Tfmgmftt!Tfswjdfà!up! ui f!obujpo!boe!tpdjfuz/

Tajhassan 26/XI/2021

)UbkIbttbo*

केवल खुराना
आई.पी.एस.

कमाण्डेन्ट जनरल होमगार्ड्स एवं
निदेशक नागरिक सुरक्षा
फोन: 0135-2784471

# संदेश

यह अत्यन्त गर्व एवं हर्ष का विषय है कि उत्तराखण्ड राज्य में होमगार्डस एवं नागरिक सुरक्षा संगठन 22वीं वर्षगाँठ दिनांक 6 दिसम्बर 2022 को मना रहे हैं। यह दोनों संगठन स्वयंसेवी है एवं शनिष्काम सेवा व राष्ट्रप्रेम की भावना से देश व प्रदेश की सेवा में रत है। आजादी के 75वें वर्ष पर होमगार्डस एवं नागरिक सुरक्षा संगठन के लिए स्थापना दिवस के अवसर पर मुझे अत्यन्त हर्ष एवं गर्व की अनुभूति हो रहीं है। होमगाड्र्स संगठन अपने उद्देश्य "निष्काम सेवाष व ष्सर्व भूत हिते रतःष की भावना से देश व प्रदेश की सेवा हेतु

सजग एवं तत्पर है। विगत 22 वर्षों में इन संगठनों ने शांन्ति व्यवस्था को अक्षुण्ण बनाये रखने में जहाँ पुलिसबलों को अपना सहयोग प्रदान किया है वहीं विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं, मेलों, चुनावों, जनसेवा एवं साम्प्रदायिक सौहार्द को बनाये रखने में महत्वपूर्ण भूमिका का भी सफलतापूर्वक निर्वाह किया है।

वर्ष 2022 में उत्तराखण्ड एवं हिमाचल प्रदेश के विधान सभा निर्वाचन को शांतिपूर्वक व सकुशल सम्पन्न कराने में होमगार्डस स्वयंसेवकों ने अतुलनीय योगदान दिया है। नागरिक सुरक्षा संगठन द्वारा वृषारोपण चिकित्सा तथा रक्तदान शिविरों के कार्यक्रमों का आयोजन कर एवं कोरोना काल में नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवकों द्वारा आम जनमानस की सहायता हेतु निस्वार्थ भाव से कार्य किया जिसकी शासन एवं प्रशासन द्वारा प्रशंसा की गयी।

इस संगठन के अनेकानेक होमगार्डस ने कर्तव्य की बलिवेदी पर अपने प्राणों का उत्सर्ग किया है। अपने प्राणों का अर्पण करने वाले ऐसे होमगाड्र्स स्वयंसेवकों को मैं हृदय से श्रद्धाजलि देता हूँ। यह संगठन निरन्तर प्रगति की ओर अग्रसर है। शासन तथा प्रशासन का इन संगठनों के प्रति विश्वास बढ़ा है तथा इन संगठनों को नये दायित्व भी सौंपे जा रहे हैं। यह अत्यन्त सन्तोष का विषय है कि अल्प समय में ही इन दोनों संगठनों ने नासन तथा जनमानस का विश्वास अर्जित करने में सफलता प्राप्त की है। मेरा विश्वास है कि शीघ्र ही यह दोनों संगठन अपनी उपलब्धियों से एक नया आयाम स्थापित करने में सफल होंगे।

इस पुनीत अवसर पर संगठन के समस्त वैतनिक व अवैतनिक कर्मचारियों को भविष्य की सफलताओं हेतु मैं हार्दिक शुभकामनायें देता हूँ तथा उनका आहवान करता हूँ कि सभी उत्तराखण्ड राज्य की चतुर्दिक प्रगति के सहभागी बने एवं होमगार्डस एवं नागरिक सुरक्षा संगठनों की प्रगति के मार्ग को अनुशासित वर्दीधारी बल के रूप में प्रशस्त करें।

केवल खुराना

केवल खुराना
आई.पी.एस.

कमाण्डेन्ट जनरल होमगार्ड्स एवं
निदेशक नागरिक सुरक्षा
फोन: 0135-2784471

# उत्तराखण्ड होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा संगठन उन्नति के पथ पर

''निष्काम सेवा'' एवं ''सर्व भूत हिते रतः'' को सर्वोपरि मानने के साथ राष्ट्र सेवा में तत्पर उत्तराखण्ड होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा संगठन अपना स्थापना दिवस विभिन्न कीर्तिमानों के साथ 06 दिसम्बर 2022 को पूर्ण करने जा रहा है। होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा संगठन एक स्वयं सेवी संगठन है जिनका आदर्श 'निष्काम सेवा' एवं आधार ''राष्ट्रप्रेम'' है। निष्काम सेवा एवं राष्ट्रप्रेम शब्दों के उद्बोधन से एक नैतिक दायित्व ने जन्म लेकर समरसता के भाव को विस्तार दिया। उत्तराखण्ड होमगार्ड्स उत्तर प्रदेश होमगार्ड्स अधिनियम 1963 (आंगिकृत एवं लागू 2002) से नियंत्रित होता है। होमगार्ड्स अधिनियम के अंतर्गत होमगार्ड्स संगठन का गठन, संरचना, कार्य एवं दायित्व निर्धारित किये गये है।

उत्तराखण्ड होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा संगठन का कानून व्यवस्था को सदृढ़ करने, दैवीय आपदाओं एवं आपातकालीन परिस्थितियों में सौपे गये दायित्वों का निर्वहन करने, चारधाम यात्रा को सकुशल सम्पादित करने, राज्य में आयोजित विभिन्न मेलों को सकुशल सम्पन्न कराने तथा कोविड–19 महामारी, निर्वाचन ड्यूटी को पूर्ण लगन एवं निश्ठा से सम्पन्न कराने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

## नागरिक सुरक्षा

नागरिक सुरक्षा (Civil Defence) अर्थात् एक आदमी को सुरक्षा व्यवस्था सम्भालने की जिम्मेदारी देना! दरअसल, इसका गठन बाह्य युद्ध के समय देश की आन्तरिक व्यवस्था में कोई व्यवधान उत्पन्न न हो वह नागरिकों का मनोबल बना रहे इस उद्देश्य से किया गया है। भारत सरकार द्वारा 1962 में चीन आक्रमण के पश्चात नागरिक सुरक्षा उपायों के क्रियान्वयन के लिए नागरिक सुरक्षा संगठन की स्थापना देश तथा प्रदेश के सामरिक महत्व के नगरों में की गई। चूंकि हवाई आक्रमण से प्रभावित जन–धन की सुरक्षा उक्त उद्देश्यों के मूल में निहित है, अतः शासकीय पदाधिकारियों के साथ–साथ विभाग में नागरिकों की सहभागिता को अत्यन्त महत्व देते हुए इसे संगठन का स्वरूप प्रदान किया गया। ''नागरिक सुरक्षा अधिनियम, 1968'' लागू है।

नागरिक सुरक्षा के मुख्य कार्य जन–धन की हानि को कम करना, उत्पादन बनाए रखना तथा जनता के मनोबल को बनाए रखना। नागरिक सुरक्षा उपायों के परिचालन के लिए भारत सरकार के निर्देशानुसार 12 सेवाओं का गठन किया गया है–

1. मुख्यालय सेवा, 2. संचार सेवा, 3. वार्डेन सेवा, 4. हताहत सेवा, 5. अग्निशमन सेवा,
6. प्रशिक्षण सेवा, 7. बचाव सेवा, 8. कल्याण सेवा, 9. पूर्ति सेवा, 10 शव निस्तारण सेवा

इनमें से 2 सेवायें समाप्त की जा चुकी हैं।

## वर्ष भर होमगार्ड्स संगठन की उपलब्धियां

• कर्त्तव्य निर्वहन की अविरल कड़ी में होमगार्ड्स संगठन की उपयोगिता निरन्तर बढ़ती जा रही है। होमगार्ड्स को विभिन्न चुनावों, मेलों, त्यौहारो, कुम्भ, वनाग्निशमन, यातायात शान्ति व्यवस्था, कारागार, रेलवे, कावड़, चारधाम यात्रा, के साथ–साथ अन्य विभागों तथा दूर संचार, परिवहन, जलसंस्थान, भेल, भारतीय खाद्यनिगम, एवं विरासत मेले जैसे महत्पूर्ण स्थानों की सुरक्षा के लिए नियोजित करके ड्यूटियों के नये अवसर उत्पन्न किये गये।

• जनपद हरिद्वार एवं पिथौरागढ़ में भर्ती हुये शहरी, ग्रामीण एवं महिला कुल 166 होमगार्ड्स स्वयं सेवकों का प्रशिक्षण पूर्ण कराया गया है।

• दिनांक 23–09–2022 को मेरे द्वारा विभागीय अधिकारियों एवं कार्मिकों की बैठक ली गई बैठक में प्रतिमाह विभागीय प्रगति विवरण उपलब्ध कराये जाने, प्रशिक्षण मॉडयूल बनाने, .762 एस.एल.आर. से फाईरिंग अभ्यास कराये जाने, निष्क्रिय होमगार्ड्स स्वयं सेवको को सेवा प्रथक किये जाने तथा विभागीय कार्यालय हेतु भूमि आवंटित कराये जाने के सम्बन्ध में विस्तृत दिशा निर्देश दिये गये।



•जिला कमाण्डेन्ट होमगार्ड्स कार्यालय, देहरादून के अनावासीय भवन निर्माण हेतु शासन से अवमुक्त कुल धनराशि रू0 02 करोड़ 14 लाख से निर्माण कार्य गतिमान है।

• कल्याण कोश में लम्बित प्रकरणों के निस्तारण हेतु शासन से अनुमति प्राप्त कर 58 सेवापृथक तथा 07 मृतक कुल 65 प्रकरण निस्तारित किये गये।

• होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा मुख्यालय में विभिन्न न्यायालय में प्रचलित वादों हेतु विधिक राय लिये जाने के सम्बन्ध में उत्तराखण्ड शासन द्वारा विधिक सलाहकार की न्युक्ति की गई है।

• यातायात को बेहतर बनाने हेतु ''प्रोजेक्ट पार्क वैल'' योजना प्रारम्भ की गयी है। इस योजना के अन्तर्गत विभागीय वाहट्सएप नं0–9458950814 पर गलत तरीके से पार्क किये गये वाहनों की फोटों भेजने पर सम्बन्धित व्यक्ति को उसके अगले यातायात दण्ड में छूट प्रदान की जायेगी।

• होमगार्ड्स मुख्यालय में दिनांकः 01.10.2022 को सैनिक सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें 350 होमगार्ड्स स्वयंसेवकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। सैनिक सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य होमगार्ड्स विभाग एवं स्वयं सेवको की राज्य स्तर पर प्रसारित छवी को बेहतर बनाने, स्वयं सेवको के मनोबल में वृद्धि, बेहतर टर्न आउट के साथ कर्तव्यों के निर्वाहन, विभागीय सुविधाओं, योजनाओं की जानकारी एवं स्वयं सेवकों की समस्याओं को ततसमय समाधान करना था। सम्मेलन में मेरे द्वारा नागरिक सुरक्षा के 140 वाडनों की भर्ती किये जाने, चिकित्सा एवं रक्तदान शिविर आयोजित किये जाने, होगार्ड्स स्वयं सवकों को डयूटी के प्रति सचेत रहने, वर्दी के अनपूरूप डयूटी करने, दिये गय आदेशों का पालन करने तथा अपनी समस्याओं को जिला कमाण्डेन्ट एवं उच्चाधिकारियों के माध्यम से निस्तारित करने के निर्देश दिये गये।



• होमगार्ड्स मुख्यालय में दिनांकः 15.10.2022 को होमगार्ड्स स्वयं सेवकों हेतु मनोवैज्ञानिक चिकित्सीय आंकलन हेतु कैम्प का आयोजन किया गया। आयोजन का उद्देश्य स्वयं सेवकों के कार्य क्षमता में सुधार एवं मनोबल में वृद्धि करना है।

• समस्त विभागीय कर्मचारीयों की कमीज के बायें बाजू पर उत्तराखण्ड़ होमगार्ड्स का मोनोग्राम (प्रतीक चिन्ह) धारण करने हेतु दिशा–निर्देश, जारी किया गया।

• पुलिस विभाग से होमगार्ड्स विभाग हेतु 100 ओल्ड बट सर्विसेबल 7.62 एमएम एस.एल.आर. क्रय किये जाने

कार्यवाही की जा रही है।

• पुलिस विभाग की भांति होमगार्ड्स स्वयं सेवकों हेतु सी.पी.सी. कैन्टीन के लिये भारत सरकार से पत्राचार किया गया है।

• रैतिक परेड 2022 हेतु होमगार्ड्स स्वयं सेवकों को मोटर बाईक पर साहस, कौशल तथा संतुलन के विभिन्न फार्मेशनों की सिखलाई हेतु राज्य आपदा मोचन बल के प्रशिक्षकों से प्रशिक्षण प्रदान कराया जा रहा है।

**संगठन की योजनाएं–**

• ड्यूटी के दौरान घायल/बीमार होने पर सीधे चिकित्सालय में भर्ती होने की अवधि में ड्यूटी भत्ता प्रदान किये जाने का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है।

• होमगार्ड्स स्वयंसेवकों को चुनाव, कुम्भ मेला, रैतिक परेड आदि ड्यूटीयों में योजित होने पर रू0 180/– भोजन भत्ता प्रदान किये जाने हेतु प्रस्ताव शासन को भेजा गया है।

• 10 जनपदों में होमगार्ड्स स्वयंसेवकों की महिला प्लाटून खोले जाने का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है।

• होमगार्ड्स स्वयंसेवकों को पुनरावृत्ति एवं अन्य प्रशिक्षणों में ड्यूटी भत्ते की धनराशि प्रदान किये जाने का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है।

• होमगार्ड्स विभाग में वैतनिक अधिकारियों एवं कार्मिकों को नेवी ब्लू बैरट कैप धारण किये जाने का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है।

• होमगार्ड्स विभाग हेतु 100 पिस्टल क्रय करने का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है।

• होमगार्ड्स कल्याण कोश नियमावली में बदलाव हेतु प्रस्ताव शासन को भेजा गया है।

• होमगार्ड्स की भर्ती प्रक्रिया में बदलाव हेतु प्रस्ताव शासन को भेजा गया है।

• होमगार्ड्स विभाग की नियमावलियों को संशोधन करने का प्रस्ताव शासन को प्रेशित किया गया है।

• मिनिस्ट्रीयल संवर्ग में 1984 से नियतन में बढ़ोत्तरी न होने तथा कार्यो की अधिकता के दृश्टिगत 24 कनिश्ठ सहायकों के पद स्वीकृत किये जाने का प्रस्ताव शासन को प्रेशित किया गया है।

• शासन से स्वीकृति उपरान्त जनपद टिहरी तथा पिथौरागढ़ में भवन निर्माण हेतु आगणन प्राप्त किये जा रहे हैं।

• 06 जनपदों क्रमशः अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, पिथौरागढ़, रूद्रप्रयाग एवं हरिद्वार में नागरिक सुरक्षा की नई इकाई स्थापित किये जाने हेतु कार्मिकों के पद स्वीकृत किये जाने का प्रस्ताव शासन को प्रेशित किया गया है।

यह अत्यन्त संतोश का विशय है कि अल्पसमय में ही इन दोनों संगठनो ने शासन तथा जनमानस का विश्वास अर्जित करने में सफलता प्राप्त की है। मेरा विश्वास है कि शीघ्र ही यह दोनो संगठन अपनी उपलब्धियों से एक नया आयाम स्थापित करने में सफल होंगे। स्थापना दिवस 6 दिसम्बर 2022 के अवसर पर मैं होमगार्ड्स संगठन के समस्त वैतनिक/अवैतनिक अधिकारियों/कर्मचारियों तथा होमगार्ड्स स्वंयसेवकों को अनुशासन, निश्ठा, समर्पण तथा प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का आह्वान करता हूँ तथा संगठन के सभी सदस्यों कों अपनी शुभकामनायें प्रेशित करता हूँ।

❋ ❋ ❋

*The Government of India Passed an act in 1935. It was a comprehensive legislation &, at the time of partition, the two dominions of India and Pakistan accepted the act of 1935. The Indian Constitution endorsed the placing of public order & police in the state list while denying the responsibility at the centre. Under these circumstances all states are regulating the uniform forces under home department while creating their separate Acts for their regulation. Uttar Pradesh Home Guards Act 1963 (Adopted & Implemented in Uttarakhand in 2002) was one of the instrument to regulate the Home Guards.*

# उत्तराखण्ड होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा संगठन के स्थापना दिवस पर आयोजित रैतिक परेड की झलकियां

## वर्ष 2016

## वर्ष 2017

## वर्ष 2018

## वर्ष 2019

## वर्ष 2020

## वर्ष 2021

# ज्योतिष विज्ञान का परिचय एवं उपयोगिता

राजीव बलोनी
डिप्टी कमाण्डेन्ट जनरल होमगार्ड्स

संसार में समस्त ज्ञान विज्ञान का आधार वेद हैं। वर्तमान काल में जो हमें ज्ञान विज्ञान समृद्ध रूप में दृष्टिगोचर हो रहा है उसके मूल में वेद ज्ञान ही निहित है । वेद पथ प्रदर्शक एवं ज्ञान के अथाह भंडार हैं इन वेदों के समुचित ज्ञान के लिए वेदांगों के अध्ययन की आवश्यकता होती है। वेदांग 6 हैं– 1–व्याकरण, 2– ज्योतिष 3– छन्द 4– निरुक्त, 5– शिक्षा एवं 6–कल्प। ज्योतिष शास्त्र सूर्य आदि ग्रहों का ज्ञान कराने वाला एवं उनसे मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का ज्ञान कराता है. ''यथा ज्योतिषां सूर्यादि ग्रहणां बोधकम् शास्त्र।''

वेद रूपी शरीर के छन्द पैर, कल्प हाथ, ज्योतिष नेत्र, निरुक्त कर्ण, शिक्षा नासिका एवं व्याकरण मुख है वेदांगों में ज्योतिष शास्त्र का विशेष महत्व है। जिस प्रकार मनुष्य बिना चक्षु इन्द्रिय के किसी भी वस्तु का दर्शन करने में असमर्थ होता है, ठीक वैसे ही वेदशास्त्र या वेदशास्त्र विहित कर्मों को जानने के लिये ज्योतिष का अन्यतम महत्त्व सिद्ध है। भूतल, अन्तरिक्ष एवं भूगर्भके प्रत्येक पदार्थ का कालिक यथार्थ ज्ञान जिस शास्त्र से हो, वह ज्योतिष शास्त्र है। अतः ज्योतिष ज्योतिका शास्त्र है। ज्योतिष शास्त्र से त्रैकालिक प्रभाव को जाना जा सकता प्रातः उत्थान से लेकर स्वप्न पर्यन्त की नित्यचर्या, सम्पूर्ण जीवनचर्या, गर्भ से लेकर मृत्यु तक और उसके बाद भविष्य की बातों परलोक पुनर्जन्म की बातों तथा भूतकाल की स्थिति को ज्योतिष अभिव्यक्त करता है। आचार्य वराहमिहिर बताते हैं कि अन्य जन्मों में जो भी शुभाशुभ कर्म किया गया हो, उसके फल तथा फलप्राप्ति के समय को यह शास्त्र वैसे ही स्पष्ट व्यक्त करता है, जैसे अन्धकार में स्थित पदार्थों को दीपक व्यक्त कर देता है। ज्योतिष शास्त्र के 01 – सिद्धान्त, 02 – संहिता, 03 – होरा स्कन्ध हैं। इन तीनों स्कंधों के अंतर्गत ज्योतिष शास्त्र के विभिन्न विषयों का समावेश होता है एवं ये तीनों स्कन्ध समाज में विभिन्न रूपों में अपनी उपयोगिता सिद्ध करते हैं।

सिद्धान्त स्कन्ध को गणित स्कन्ध के नामसे भी जाना जाता है। जिस स्कन्ध के अन्तर्गत सूक्ष्मतम से महत्तमकाल की गणना तथा मानों के भेद, ग्रहों के चार, द्विविध गणित (व्यक्त एवं अव्यक्त), ग्रह–नक्षत्रों की गति स्थिति एवं यन्त्र परिचय आदि वर्णित हो, उसे सिद्धान्त स्कन्ध कहते हैं। संहिता स्कन्धमें ग्रह–नक्षत्रोंके द्वारा भूपृष्ठपर पड़नेवाले सामूहिक प्रभावका विवेचन किया जाता है। इस स्कन्धको भौतिक एवं वैश्विक ज्योतिष भी कहा जाता है। संहिता स्कन्ध के विषयमें वराहमिहिर ने लिखा है–

ज्योति शास्त्रमनेकभेदविषयं स्कन्धत्रयाधिष्ठितम्
तत्कात्स्यपनयनस्य नाम मुनिभिः संकीर्तयते संहित।

वस्तुतः सिद्धान्त और होरा स्कन्धों का संक्षेप में समवेत विवेचन ही संहिता है। संहिता स्कन्ध में ग्रहों की गति ग्रहयुति, मेघलक्षण, वृष्टि–विचार, उल्का विचार, भूकम्प–विचार, जलशोधन, विभिन्न शकुनों का विचार, वास्तुविद्या तथा ग्रहणादि का समस्त चराचर जगत् पर पड़ने वाले सामूहिक प्रभाव इत्यादि का विचार किया जाता है।

होरा शब्द की उत्पत्ति से होती है, जो कि दिन सूचक शब्द है अहोरात्र के पूर्व और पर वर्ण के लोप करने से होराश शब्द बनता है, इसका अर्थ है एक अहोरात्र का 24 वां भाग अर्थात 01 घण्टा इसी से ही Hour शब्द की उत्पत्ति हुयी है। सिद्धान्त एवं संहिता स्कन्ध की अपेक्षा सरल होने एवं साक्षात् समाज से सम्बद्ध होनेके कारण ज्योतिषशास्त्र के तीनों स्कन्धों में सर्वाधिक लोकप्रियता होरा स्कन्धकी है। मानव जीवन के जन्म से लेकर मृत्यु पर्यन्त सभी प्रश्नों का समाधान जन्मकालिक एवं प्रश्नकालिक ग्रहस्थिति के आधार पर होरा स्कन्ध के द्वारा किया जाता है। यह स्कन्ध मानव जीवन के सम्भाव्य अशुभों को ग्रह–नक्षत्रों के द्वारा जानकर उनके निवारण हेतु वेदविहित समाधान प्रस्तुत करता है।

**सिद्धान्त स्कन्ध की समाज में उपयोगिता**

वर्तमान काल में गणित शास्त्र के महत्व से सभी भलीभांति परिचित हैं। वर्तमान काल में जो गणित परंपरा हमें दिखाई देती है इसका मूल भी ज्योतिष शास्त्र ही है क्योंकि हमारे यहाँ अंक गणित, बीज गणित, रेखागणित, त्रिकोणमिति, चलन–कलन इत्यादि विषयों का प्रतिपादन एवं स्वतंत्र ग्रन्थ ज्योतिष शास्त्र के आचायों द्वारा ही रचित है। है। अतः गणित शास्त्र का मूल ज्योतिष शास्त्र का सिद्धान्त स्कन्ध ही है जो कि समाज में अपनी उपयोगिता स्वयं स्थापित करता है।

ज्योतिष शास्त्र को काल विधान शास्त्र कहा जाता है। काल का विवेचन सूर्य सिद्धांत ग्रंथ में किया गया है। काल के दो भेद कहे गए हैं एक तो जो सभी का विनाश या मृत्यु का कारण है वह अंतकृत काल है एवं दूसरा भेद कलनात्मक है। अर्थात् ऐसा काल जिसकी गणना की जा सकती हो, इस कलनात्मक काल के भी दो भेद होते हैं एक मूर्त काल एवं दूसरा अमूर्त काल व्यवहार उपयोगी काल को मूर्त काल एवं जो अत्यंत सूक्ष्म होता जिसका सामान्य व्यवहार में उपयोग नहीं होता है वैसा काल अमूर्त काल कहलाता है।

मूर्त काल को निम्नलिखित रूप से समझ सकते हैं–

१ प्राण = १० दशदीर्घाक्षर उच्चारणकाल १० विपल = ४ सेकेण्ड

६ प्राण = ६० विपल = १ पल = २४ सेकेण्ड

६० पल = १ घटी = २४ मिनिट

६० घटी = २४ घण्टे=१ दिन (अहोरात्र )

३० दिन (अहोरात्र ) = १ मास। १२ मास = १ वर्ष

ज्योतिष शास्त्र के संहिता स्कन्ध में विभिन्न वैज्ञानिक सिद्धांतों का प्रतिपादन किया गया है।

वर्तमान काल में गुरुत्वाकर्षण सिद्धांत को पाश्चात्यों की देन कहा जाता है। जन सामान्य में जन श्रुति है कि गुरुत्वाकर्षण सिद्धान्त के प्रतिपादक 17 वीं शताब्दी के विद्वान न्यूटन है। जबकि इस सिद्धान्त के विषय में ज्योतिष शास्त्र के भास्कराचार्य जी ने 12 वीं शताब्दी में अपने ग्रंथ सिद्धान्त शिरोमणि में इसका प्रतिपादन किया गया था। जिसके अनुसार पृथ्वी में गुरुत्वाकर्षण शक्ति है, जो आकाश के गुरु पदार्थों को खीचकर अपने धरातल में ले आती है। इस प्रकार समाज में उपयोगी ज्ञान आकर्षण सिद्धान्त का मूल ज्योतिष शास्त्र है ।

परिधि व्यास सम्बन्ध परिधि एवं व्यास के सूक्ष्म संबंध भी ज्योतिष शास्त्र के ग्रन्थों में प्रतिपादित किया गया है वर्तमान में परिधि व्यास का अनुपात 22/7 के रूप में प्रसिद्ध है, जिसे पाई के नाम से भी जाना जाता है, जबकि इसका अत्यंत सूक्ष्म मान आर्यभट्ट ने अपने ग्रंथ आर्यभटीय (सन् 476) में बताया है।

पृथ्वी के अक्ष भ्रमण नामक वैज्ञानिक तथ्य के भी प्रतिपादक लोग कैपलर को मानते हैं जबकि इस सिद्धान्त का भी प्रथम प्रतिपादन ज्योतिष शास्त्र के आचार्य आर्यभट्ट ने अपने ग्रंथ में किया है। आर्यभट्ट ने यहाँ स्पष्ट प्रतिपादन किया है कि नक्षत्र– मण्डल स्थिर है तथा पृथ्वी अपनी धुरी पर पश्चिम से पूर्व की ओर घूमती है। इसी प्रकार प्राणेनैति कलां भूः के माध्यम से भूमि 24 घण्टे में $360^{\circ}$ अक्ष भ्रमण को बताया है ।

ग्रह स्पष्ट एवं ग्रहण आदि का साधन सिद्धान्त स्कन्ध का मुख्य प्रतिपाद्य विषय ग्रह स्पष्ट है क्योंकि स्पष्ट ग्रह के माध्यम से ही स्पष्ट फल की प्राप्ति होती है। ज्योतिष शास्त्र ग्रहों की आकाशीय स्थिति के अनुसार उनका चराचर जगत पर पड़ने वाले प्रभाव का विवेचन करता है। ग्रहों की आकाशीय स्पष्ट स्थिति का साधन ज्योतिष शास्त्र के हमारे ऋषियों ने अपने तपोबल के माध्यम से गणित प्रक्रिया के माध्यम से ग्रहों को स्पष्ट करने की जटिल प्रक्रिया को बड़े वैज्ञानिक रूप से प्रतिपादित किया है। चाहे पंचांग हो कुंडली हो या संहिता गत फलादेश हो उस सब का आधार सिद्धांत स्कन्ध की ग्रह स्पष्टीकरण प्रक्रिया ही है।

संहिता स्कन्ध की समाज में उपयोगिता–

संहिता के विषयों को भी तीन प्रकार से विभाजित किया जा सकता है, यथा– (१) पंचांगविषयक (२) राष्ट्रविषयक, (३) व्यक्तिविषयक।

1) पंचांगविषयक तिथि –वार–नक्षत्र करण–योग के द्वारा समष्टिगत चिन्तन पंचांगविषयक संहिता के विषय होते हैं। इसके अन्तर्गत मुहूर्त आदि का विधान होता है। तिथि–वार–नक्षत्र योग और करण आदि के आधार पर कार्य के अनुरूप समय का चयन करना ही मुहूर्त कहलाता है मनुष्य द्वारा किये जाने वाले सभी कार्य मुहूर्त के अनुसार ही किये जाते रहे हैं।

2) राष्ट्रविषयक प्राकृतिक उत्पात भूकम्प वर्षा इत्यादि विषयों का चिन्तन राष्ट्रविषयक संहिता विभाग में समाहित होते हैं। संहिता स्कन्ध विभिन्न प्राकृतिक घटनाओं के विषय में सभी को समुचित मार्गदर्शन प्रदान करता है जैसे संहिता सूर्यादि ग्रहों की गति इत्यादि के कारण चराचर जगत पर पड़ने वाले प्रभाव का विवेचन, ग्रहों के परस्पर युद्ध, उदय एवं अस्त – स्कन्ध में ग्रहों का समागम नक्षत्र विशेष का प्रभाव, दिग्दाह विवेचन, भूकंप लक्षण एवं उसका फल, उल्कापात का वर्णन, इंद्रधनुष का विवेचन, उत्पातों का कारण एवं उनका चराचर जगत पर पड़ने वाले प्रभाव

का विवेचन, सन्ध्या काल के स्वरूप से फल कथन, वात–चक्र का विवेचन, धूलगमन का विवेचन, वायु की ध्वनि से शुभाशुभ का निर्णय ग्रहण आदि घटनाओं का फल विवेचन किया जाता है।

वास्तु शास्त्र की समाज में उपयोगिता वास्तु शास्त्र भी इसी स्कन्ध के अंतर्गत आता है जिसकी वर्तमान समाज में अत्यंत – उपयोगिता है। हम सभी जानते हैं कि प्रकृति ने प्रत्येक जीव को अपनी आवश्यकतानुकूल वास स्थान निर्माण करने की क्षमताएवं कौशल प्रदान किये हैं इसलिये ही इन प्राकृतिक नियमों से आबद्ध होकर अपने सुख–दुःख का अनुमान कर प्राणी नित नये भयमुक्त वातावरण में सुरक्षित स्थान की खोज करता रहता है इन्हीं आवश्यकताओं की पूर्ति वास्तु शास्त्र के माध्यम से होती है। क्योंकि वास्तु शास्त्र वह शास्त्र है जो मनुष्य को हितकाम अर्थात् कल्याण मार्ग की ओर अग्रसर करता है क्योंकि विश्वकर्मा जी स्वयं कहते हैं कि–

वास्तुशास्त्रं प्रवक्ष्यामि लोकानां हितकाम्यया

3) व्यक्ति विषयक यात्रा – शकुन, स्त्री पुरुष लक्षण का चिंतन इस विभाग के मुख्य विषय हैं। शकुन शास्त्र – ज्योतिष शास्त्र की दृष्टि में शकुन का भी बड़ा महत्त्व है शकुन चाहे स्वप्न में हो या जाग्रत अवस्था में हो, अपने शरीरमें हो, चाहे संसार में पशु–पक्षियों द्वारा हो या दिव्य शक्तियों द्वारा प्रत्येक दशामें उनका तात्पर्य है, हमें सावधान करना और आश्वासन देना कोई भी व्यक्ति किसी कार्य का आरम्भ अथवा यात्रा आदिका प्रारम्भ सफलता की दृष्टिसे शुभ मुहूर्त में करना चाहता है. इसके साथ ही शकुन देखने की भी परम्परा है। शकुन शुभ और अशुभ दोनों प्रकार के होते हैं शुभ मुहूर्त में शुभ शकुन के प्राप्त होने पर यात्रा अथवा कार्य आदि की सफलता निश्चित हो जाती है। जो व्यक्ति यात्रा करता है अथवा कार्य प्रारम्भ करता है, वह शुभ शकुन प्राप्त होने पर कार्य की सफलता के लिये मानसिक रूप से पूर्ण आश्वस्त हो जाता है और प्रायः परिणाम भी अनुकूल होते हैं। इस प्रकार जीवन में शकुन की महिमा कम नहीं है।

होरा स्कन्ध की समाज में उपयोगिता

होरा स्कन्ध में मेषादि द्वादश राशियों, सत्ताईस नक्षत्रों एवं सूर्यादि नवग्रहों की परस्पर स्थिति–गति दृष्टि–योगसम्बन्धवशात् मानवमात्र पर पड़ने वाले शुभाशुभ फल का पूर्ण विवरण समाहित है। अतः इसे जातकशास्त्र भी कहा जाता है। कुछ विद्वानों का कथन है कि जब पूर्वजन्मार्जित शुभाशुभ कर्मों के फल की प्राप्ति अवश्यम्भावी है तो उसका ज्ञान कराने वाले होरास्कन्ध की क्या आवश्यकता ? क्योंकि जो होना है, वह तो होकर ही रहता है, परंतु ऐसा नहीं है। सम्पूर्णरूप से भाग्य के भरोसे बैठकर ही यदि कृषक खेती करना छोड़ दे तो अन्नादिकी उत्पत्ति कैसे होगी? नीतिवचनों में भी कहा गया है–न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः । होराशास्त्र कर्मप्रधान शास्त्र है, जो पूर्वजन्मार्जित कर्मों के फल को क्रियमाण कर्म के द्वारा न्यूनाधिक करने में विश्वास रखता है जहाँ पर जन्मपत्रिकादि से दशाफलकालक्रम द्वारा रोगसम्भावना या अरिष्ट की सम्भावना है अथवा जब सन्तान, विद्या, धनादि का अभाव होने का कारण प्रकट होता है, वहीं ग्रहशान्ति, मणिधारण, मन्त्रजप, दान, औषधिधारण आदि उपचारों से प्रतिबन्धक योगों को शिथिल करने का प्रयास किया जा सकता है जिस प्रकार दृढमूलवृक्ष भी प्रबल वायु वेग से हिलकर जीर्ण या कमजोर हो जाता है, उसी प्रकार दृढकर्मों का अशुभ फल भी कम तो अवश्य किया जा सकता है। इसीलिये सूक्ति है– हन्यते दुर्बलं दैवं पौरुषेण विपश्चिता (होरारत्न) शुभाशुभफलप्रद भाग्य कब फलीभूत होगा? अपना पूर्ण फल देगा अथवा कुछ कम ? इत्यादि का ज्ञान भी होराशास्त्र से ही सम्भावित है। यह शास्त्र शुभाशुभफल में कर्म को जन्मकुण्डली के लग्नादि द्वादशभावों में स्थित स्वोच्च, मूलत्रिकोण, स्वगृह, मित्रगृहादि शुभ स्थानों अथवा शत्रुगृह, नीचगृह, अस्तादि अशुभ स्थानों या स्थितियों में स्थित नवग्रहों के परस्पर शुभाशुभ सम्बन्धों के आधार पर दशान्तर्दशादि के माध्यम से दिन, पक्ष, मास, वर्षादि के रूपमें सूचित करता है। इसके आधार पर शुभाशुभ अवस्था में मनुष्य यथासम्भव जागरूक होकर मणि, मन्त्र औषधि आदि उपायों से अशुभफल को न्यून तथा शुभ ग्रह के बल में वृद्धि करके सत्फल प्राप्त कर सकता है।

**सारांश**

वर्तमान काल में समाज में ज्योतिष शास्त्र की उपयोगिता हमने विस्तृत रूप में समझा। ज्योतिष शास्त्र में ऐसे कई विषय विद्यमान जो प्रतिपल मानव समाज के लिए उपयोगी है। ज्योतिष शास्त्र के समस्त विषयों का समावेश तीनों स्कंधों में हो जाता है ये सिद्धान्त–संहिता और होरा नामक स्कन्ध पृथक–पृथक रूप से मानव कल्याण हेतु मार्गदर्शन करते हैं। जहां सिद्धान्त स्कन्ध अपनी वैज्ञानिकता के कारण पूर्ण रूप से अनादि काल से इस युग में वैज्ञानिक अंशों का प्रतिपादन कर रहा है, तो वहीं संहिता स्कन्ध के माध्यम से समस्त संसार पर पड़ने वाले प्रभाव के माध्यम से जनकल्याण का मार्ग प्रशस्त हो रहा है, उसी प्रकार व्यक्ति विशेष की समस्याओं का यथोचित समाधान होरा स्कन्ध के माध्यम से होता है। मनुष्य के आज भी समस्त कार्य ज्योतिष के द्वारा ही चलते हैं। व्यवहार के लिए उपयोगी दिन सप्ताह पक्ष मास, अयन, ऋतु उत्सव, पर्व, इत्यादि का ज्ञान विभिन्न संस्कारों का मुहूर्त, चिकित्सा ज्योतिष, ग्रहों का वेधशालाओं के माध्यम से दर्शन, पंचांग गणित, विभिन्न उत्पातों का पूर्वानुमान, करियर काउन्सलिंग में सहयोग, वर्षा ज्ञान, रत्न विज्ञान, गणित शास्त्र आदि विषयों का ज्ञान हमें ज्योतिष शास्त्र के माध्यम से ही होता है अतः समाज में ज्योतिष शास्त्र की सर्वाधिक उपयोगिता है।

❋ ❋ ❋

# होमगार्ड्स स्वयं सेवकों

दिनाँक 23-10-2022 को रामनगर बाजार जनपद नैनीताल मे दीपावली पर्व के दौरान, दुकानदार के हाथ से पैसे छीनकर भागने वाले व्यक्ति को होमगार्ड्स के प्लाटून कमांडर मोहन सिंह सैनी व होमगार्ड 3249 प्रमोद कुमार द्वारा मौके पर धर-दबोचा। आरोपी को पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

कमांडेंट जनरल होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा श्री केवल खुराना (IPS) महोदय द्वारा एक नवीन पहल,अब विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों को डिस्क एवं प्रशंसा--पत्र से सम्मानित किया जाएगा।

श्रेष्ठ कार्यों के लिए होमगार्ड को मिलेगी डिस्क और प्रमाणपत्र

बेहतर ट्रैफिक संचालन पर होमगार्ड को इनाम

आज दिनांक 26/6/22 को होमगार्ड 1056 माधव प्रसाद नौटियाल, जो कि लंका पुल ड्यूटी मे नियुक्त थे को लंका पुल पर एक पर्स मिला ,जिसमे 10000 रूपए कि धनराशि थी ,पता करने पर मालूम हुआ कि ये पर्स वन आरक्षी देवेंद्र सिंह बिष्ट ,जो कि गर्तांग गली मे ड्यूटी पर था ,का है ,माधव प्रसाद द्वारा मौके पर उक्त वन आरक्षी का पर्स लौटाया गया ,वन आरक्षी द्वारा उक्त जवान का हार्दिक धन्यवाद किया गया।

दिनांक 23/09/2022 को कानपुर उत्तर प्रदेश से श्री बद्रीनाथ दर्शन के लिये आये पप्पू जो की दोनों पैरों से चलने में असमर्थ थे और हाथों के सहारे चलकर दर्शन के लिये जा रहे थे। जनपद चमोली में नियुक्त होमगार्ड श्री ईश्वरी ने जब उन्हें देखा तो अपनी पीठ पर उठाकर श्री बद्रिविशाल के दर्शन कराए। दर्शन के पश्चात पप्पू भावुक हो उठे और दोनों हाथ जोड़कर धन्यवाद किया। #होमगार्ड्स ईश्वरी के इस कृत्य पर कमांडेंट जनरल #केवलखुरानामहोदय द्वारा उन्हें CGHG DISC से सम्मानितकिया जाएगा।

## चारधाम यात्रा के दौरान बीमार यात्री की सहायता करते हुए होमगार्ड्स जवान

## यातायात संचालन में उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित होमगार्ड्स जवान

## जनपद टिहरी में मेडिकल कैम्प का आयोजन

# द्वारा किये गये सराहनीय कार्य

दिनांक 04-11-2022 को जनपद अल्मोड़ा के यातायात सैल मे तैनात होमगार्ड 1026 प्रेम कुमार जो यातायात ड्यूटी मे ड्यूटी स्थल करवला तिराहे मे ड्यूटी मे तैनात थे, करवला तिराहे पर उक्त जवान को एक बैग मिला, जिस बैग मे एक कीमती स्मार्ट मोबाइल फ़ोन, आधार कार्ड सहित अन्य आवश्यक कागजात थे, होमगार्ड प्रेम कुमार के प्रयास से बैग स्वामी हेम चंद्र, निवासी गरुड़ बागेश्वर का पता लगाकर उनसे संपर्क कर बैग को समस्त सामग्री सहित सौंपा गया।

रामझूला पुल ड्यूटी पर नियुक्त होमगार्ड्स 1149 सन्दीप लाल व होमगार्ड्स 1025 चन्दी राम को किसी पर्यटक का मोबाईल फोन मिला जिसको जवानों द्वारा उक्त को लौटाया गया, पर्यटको द्वारा उत्तराखण्ड होमगार्ड्स जवानों का धन्यवाद किया गया।

जनपद अल्मोड़ा के थाना भतरौजखान में दिनांक 28.10.2022 को होमगार्ड 1917 चंदन सिंह व होमगार्ड 1907 गोविंद अकोलिया की यातायात शांति व्यवस्था हेतु ड्यूटी के संपादन के अंतर्गत भतरौजखान बाजार में एक नाबालिक बालक संदिग्ध अवस्था में बैठा मिला। होमगार्ड 1917 द्वारा पूछताछ में उक्त बालक ने अपना नाम भाष्कर जोशी पुत्र नवीन चंद्र जोशी निवासी छोई रामनगर बताया। बालक द्वारा बताया गया कि दिवाली की छुट्टी उपरांत परिजनो द्वारा उसे रामनगर से काशीपुर स्थित संस्कृत विद्यालय के लिए बस में बैठाया गया ।किंतु परिजनो से नाराज बालक उनके जाने के बाद बस से उतर कर भतरौजखान अल्मोड़ा की बस में बैठ गया और भातरौजखान बाजार में उतर गया। पूछताछ बाद बालक को भोजन कराया और परिजनो से संपर्क कर बालक को थाना भतरौजखान भेजा गया। थानाध्यक्ष संजय पाठक द्वारा बालक को परिजनो के सुपुर्द किया गया। इस कार्य के लिए थानाध्यक्ष व उक्त होमगार्ड्स की आम जनता,व्यापार मंडल एवं परिजनो द्वारा सराहना की गई।

बीते बुधवार दिनांक 21-09-2022 को जनपद हरिद्वार में यातायात ड्यूटी में तैनात महिला होमगार्ड श्रीमती बबली रानी द्वारा मोबाइल चोर को पकडने पर, डी.आई.जी./ एस.एस.पी. हरिद्वार महोदय द्वारा सम्मानित किया गया।

**भतरौजंखान बाजार में घूम रहा संदिग्ध नाबालिग बच्चे को होमगार्ड चन्दन रावत ने किया परिजनों के हवाले**

दिनाँक 10-10-2022 को जनपद बागेश्वर में बिलौना चौकी में ड्यूटी में तैनात होमगार्ड जवान, मोहन राम को चौकी के पास एक मोबाइल फ़ोन Redmi कंपनी का रोड पर पड़ा मिला। खोजबीन करने पर मोबाइल स्वामी मधन जोशी निवासी तहसील रोड बागेश्वर का होना ज्ञात हुआ। उक्त होमगार्ड द्वारा मोबाइल स्वामी को बुलाकर मोबाइल उसके सुपुर्द किया गया। उक्त व्यक्ति द्वारा अपने खोये हुए फोन के मिल जाने पर होमगार्ड जवान का दिल से आभार व्यक्त किया।

अपने अनोखे अंदाज में यातायात संचालन के लिये मशहूर होमगार्ड जवान जोगेंद्र कुमार जो जनपद देहरादून में यातायात ड्यूटी में तैनात हैं उन्हें दिनाँक 30.10.2022 को पुलिस लाइन जनपद देहरादून में एक कार्यक्रम के दौरान हमारे राज्य के महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा, यातायात ड्यूटी में उत्कृष्ट योगदान देने पर प्रशस्ति पत्र एवं अवार्ड से सम्मानित किया गया।

जनपद हरिद्वार में VIP घाट, यातायात व्यवस्था में तैनात महिला होमगार्ड बबली रानी (2214)द्वारा मोबाइल चोर गिरोह के एक सदस्य को रंगे हाथ पकड़ा गया। जब श्रीमती बबली ड्यूटी कर रही थी, तो कुछ लोगों द्वारा बताया गया कि, मोबाइल चोर गिरोह का सदस्य फोन चोरी करके भाग रहा है, तब श्रीमती बबली बड़ी तत्परता से VIP घाट पर चोरों को पकड़ने दौड़ी और एक चोर को पकड़ लिया, जिसे नजदीकी थाने ले जा कर पुलिस के सुपुर्द किया। महिला होमगार्ड्स, किसी से भी कम नहीं है। इनके द्वारा किए कृत्य के संबंध मे जिले से आख्या मांगी गई है।

# अभिव्यक्ति की आजादी चाहिए अगर, उससे पहले आपको एक व्यक्ति बनना पड़ेगा------

**राहुल सचान**
**स्टाफ ऑफिसर/**
**नोडल अधिकारी कुम्भ मेला**

मैं मौन हूँ, अव्यक्त हूँ
व्यक्त हो गया तो
नदी का वेग बनकर बहूँगा
समर्थ है क्या समय, तटबंध के लिए
हर बंधन तोड़कर बहूँगा
नदी को वेग बनकर बहूँगा।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ आज पूर्णतः स्पश्ट है कि किसी सूचना, भाव या विचार को बोलकर, लिखकर या किसी भी कलात्मक यांत्रिक, माध्यमों से बिना किसी व्यवधान के अभिव्यक्त करने की स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कहलाती है। प्रत्येक प्रगतिशील समाज के लिए यह आवश्यक भी है कि वहॉ के व्यक्तियों को अपने सोंच–विचारों, भावों को अभिव्यक्त करने की स्वतंत्रता है और वर्तमान सन्दर्भ में लगभग सभी लोंकतांत्रिक देशो में अभिव्यक्ति का एक मानवधिकार के रूप में परिभाशित व संरक्षित किया गया है।

प्रत्येक समाज के कुछ स्थापित नियम होते है। समय के साथ इन नियमो में परिवर्तन आवश्यक है। अगर समाज इन नियमों की जड़ता में बंधा रहता है तो इससे समाज का विकास रूक जाता है। समाज में नए विचारो का जन्म तात्कालिक समाज के स्वीकृत मानदंडो से असहमति के आधार पर ही होता है। यदि प्रत्येक व्यक्ति पुराने नियमों और विचारों का ही अनुसरण करेगा तो समाज में नवाचारो का अभाव उत्पन्न हो जायेगा। समाज की प्रगति का आधार उस समाज में उपस्थित नवाचार की प्रवृत्ति होती है। समाज यदि जिज्ञासा विहीन हो जाए तो अन्य समाज से कहीं न कहीं पीछे रह जायेगा। समय के साथ न चलने की स्थिति एक दिन भयावह रूप ले लेती है और इस प्रकार का असंतोश विध्वंसक होता है जिससे समाज को व्यापक और दीर्घकालिक हानि उठानी पड़ती है। भारत जैसे सामाजिक सांस्कृति वाले देश में सभी नागरिकों जैसे आस्तिक, नास्तिक और आध्यात्मिक को अभिव्यक्ति का अधिकार है। इन विचारो को सुनना लोकतंत्र का परम–कर्त्तव्य है। इनके विचारों में समाज के लिए अप्रासंगिक विचारों को निकाल देना देश की शासन व्यवस्था का उत्तरदायित्व है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर समस्या तब उत्पन्न होती है जब यह समाज की शांति व समरसता के लिए चुनौती बन जाती है। आज ऐसे ही अनेक संदर्भ दृश्टब्य हो रहे है– सब लोगो द्वारा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का बहाना करके शब्दो की मर्यादा को लांघा जा रहा है, शिश्टता को तिलांजलि दी जा रही हैं, कई बार आमजनसभाओं में, विश्वविद्यालयों में व सोशल मीडिया पर कटुता बिखेरी जा रही है। ऐसी अवस्था में पुनः इस बात पर सोचने को बाध्य होना पड़ता है कि क्या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता आज हमारे लिए खतरा या चुनौती बन गई है ? इसके तहत आज फिर से इस बात के पुर्नमूल्यांकन की आवश्यकता है कि अभिव्यक्ति किस तरह की हो, अभिव्यक्ति की इतिवृत्तात्मकता किस सीमा तक हो, अभिव्यक्ति में दायित्व का बोध हो , यह सबसे अधिक आवश्यक है।

आज बोलने की स्वतंत्रता ने अधिकार की शक्ल में एक हथियार का रूप धारण कर लिया है, यदि ये हथियार बन गया है, तो अवश्य ही कुछ बेवजह इस्तेमाल भी किया जा सकता है। गलत इस्तेमाल न हो– इसका दायित्व किस पर है – ? – अवश्य ही जो अपने को अभिव्यक्त कर रहा है। यदि सत्य अभिव्यक्त कर रहा है तो अवश्य ही निर्णय और परिणाम साकारात्मक व उसके हक में है और यदि अनुचित, अहितकर व विरोध के लिए विरोध को अभिव्यक्ति दे रहा है तो कीमत भी उसी को चुकानी होगी।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सबकी बराबर है, बोलना– आजादी का प्रतीक बन चुका है, वहीं चुप रहना– गुलामी व अत्याचार सहन करने का । लेकिन महत्व की बात यह है कि कब और कितना बोला जाए। एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते इस बात का भी निश्चित रूप से ध्यान होना चाहिए कि हमारी अभिव्यक्ति किसी संकट को जन्म तो नही दे रही है किसी की भावना व आस्था व्यथित तो नही हो रही है। जब इस अवस्था का बोध भीतर जागृत होगा तभी वास्तविक अर्थो में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता चरितार्थ हो पायेगी। लोकतंत्र की सफलता इस बात पर निर्भर है कि वह नागरिक को किस प्रकार से उन्नति, विकास का अवसर देते हुए अपनी बात प्रस्तुत करने का भी अवसर देती है। इस दृश्टि से अभिव्यक्ति के साथ नैसर्गिक अभिव्यक्ति को जोड़कर देखना आवश्यक हो जाता है।

अक्सर अर्मायदित अभिव्यक्तियों के कारण तूफान खड़े हों जाते है। सामाजिक समरसता जहॉ प्रतिकूल रूप से प्रभावित होती है– वहीं देशो की एकता, अखंड़ता के प्रति खतरा भी बढ़ जाता है। जहॉ पारस्परिक सौहार्द में कमी

आती है तो– अशांति एवं अस्थिरता भी बढ़ती है। यह स्थिति भी उत्पन्न हो जाती है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर असहमतियों को लेकर हिंसात्मक गतिविधियां भी बढ़ जाती है। ऐसी अमर्यादित अभिव्यक्तिया और अधिक भयावह तब हो जाती है, जब इन्हें समाज के जिम्मेदार लोगो द्वारा अपने उत्तरदायित्व की उपेक्षा एवं अवहेलना कर व्यक्त किया जाता है।

श्रेश्ठ मानववादी व्यवस्था, जीवंत लोकतंत्र एवं मानवीय गरिमा को देखते हुए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार आवश्यक एवं औचित्यपूर्ण है। उतना ही आवश्यक यह भी है कि अभिव्यक्तियां दायित्वपूर्ण है जो सामाजिक तनाव को कम कर, समरसता में वृद्वि करें और सामाजिक एकता को मजबूती प्रदान करें। अर्थात अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार लोकतंत्र की श्रीवृद्वि करने वाला एक महत्वपूर्ण अधिकार है। आवश्यकता इस बात की है कि इस अधिकार के साथ जुड़ी नैतिक एवं सामाजिक जिम्मेदारी को हम न सिर्फ समझे, बल्कि उसका निर्वहन भी तत्परता से करें। हमारी अभिव्यक्तियां निरंकुश एवं अमर्यादित न हो बल्कि ये जन अभिव्यक्तियां हों अर्थात् इनके सृजनात्मकता से जुड़ी होनी चाहिए।

न समझो मेरे अल्फाजो को कोरी कारीगरी
इन शब्दो में मेरे अहसासो की झंकार है–––
मेरे सफर के अनुभवो की दास्तां है यह
इस क्षितिज की अभिव्यक्ति के यह पुकार है––––––––

❋ ❋ ❋

# ''चुनाव- लोकतन्त्र का महापर्व''

गौतम कुमार
मण्डलीय कमाण्डेन्ट
गढ़वाल मण्डल

चुनाव किसी भी लोकतान्त्रिक व्यवस्था की प्रथम जरूरत होती है, चुनाव जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है कि, जनता चुनाव नामक प्रक्रिया द्वारा अपने मन पसन्द राजनीतिज्ञ को चुनती है। सही शब्दों में चुनाव ही लोकतन्त्र की रीढ़ है, क्योंकि चुनाव के माध्यम से जनता अपना शासन चलाती हैं, इसलिए लोकतन्त्र की परिभाषा ही जनता का शासन है जैसा कि अमेरिका के सबसे प्रख्यात राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने लोकतन्त्र की परिभाष को स्पष्ट करते हुए कहा है, यथा–

**लोकतन्त्र जनता का, जनता के लिए और जनता के द्वारा किया गया शासन है।**

इसलिए लोकतन्त्र जैसी गौरवशाली शासन पद्यति की प्रतिष्ठा को बनाये रखने हेतु चुनाव का प्रभावशाली रूप से आयोजन कराया जाना आवश्यक हो जाता है।

भारत के परिपेक्ष में चुनाव प्रक्रिया का महत्व और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है क्योकि भारत विश्व में सबसे बड़े लोकतान्त्रिक राष्ट्र के रूप में स्थापित है, और भारत में चुनाव एक बड़ी ही जटिल एंव महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है जहां विभिन्न स्तरों पर यथा केन्द्र, राज्य एवं स्थानीय निकाय स्तरों पर चुनाव का आयोजन किया जाता है। जिसके सफल एवं निष्पक्ष आयोजन का दायित्व सरकारी मशीनरी जैसे कि प्रशासन, पुलिस बल, अर्द्ध सैनिक बल, होमगार्ड्स इत्यादि पर रूपी महापर्व के महत्वपूर्ण भूमिका वह सड़क पर सघन जांच कर शराब, जब्ती करना हो या शान्ति व्यवस्था बनाये एम. मशीनों का फिर शान्तिपूर्ण एवं मतगणना उपरान्त शान्ति पूर्ण संचरण इन सभी दायित्वों के प्रशासन, पुलिस एवं साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर खड़ा दिखायी देता है।

होता है, जो चुनाव शान्तिपूर्ण आयोजन में निभाते आ रहें है, चाहें परिचालित वाहनों की शस्त्र व नकद राशि की मतदान स्थालों पर रखना हो अथवा ई.वी. भण्डारण कराना हो या मतगणना कराना हो विजय जलूस का सुनिश्चत कराना हो निवर्हन में होमगार्ड्स, अर्द्धसैनिक बलों के

इसी क्रम में हाल ही में सम्पन्न हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 में उत्तराखण्ड राज्य के 2500 होमगार्ड्स ने हिमाचल प्रदेश प्रशासन एवं पुलिस के साथ मिलकर शान्तिपूर्ण चुनाव सम्पन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। उत्तराखण्ड राज्य से हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव ड्यूटी हेतु 2500 होमगार्ड्स भेजे गये थे। जो उत्तराखण्ड राज्य के विभिन्न जनपदों जैसे चमोली, पौड़ी, उत्तरकाशी, टिहरी, अल्मोड़ा, नैनीताल, देहरादून, ऊधमसिंह नगर एवं हरिद्वार जनपद से हिमाचल प्रदेश चुनाव ड्यूटी में तैनात किये गये । चुकि हिमाचल प्रदेश भी उत्तराखण्ड राज्य के भांति ही एक पहाड़ी राज्य है इसलिए उत्तराखण्ड के होमगार्ड्स के लिए इस पहाड़ी राज्य की भोगोलिक परिस्थितियां अनुकुल रही इस बार के चुनाव में हिमाचल प्रदेश के कुल 10 जनपदों में उत्तराखण्ड से आये 2500 होमगार्ड्स को चुनाव ड्यूटी हेतु तैनात किया गया था जिसमें कांगड़ा, हमीरपुर, कुल्लू, ऊना, शिमला, सिरमौर, मण्डी, सोलन, बद्दी एवं बिलासपुर जनपद सामिल थे। इनमें उत्तराखण्ड से आये सर्वाधिक 795 होमगार्ड्स को कांगड़ा जिला में तैनात किया गया था जो हिमाचल प्रदेश का सबसे अधिक विधानसभा सीटों वाला (15

विधानसभा सीट) जनपद है।

हिमाचल प्रदेश के चुनाव में कुछ विशेषताएं भी इस बार देखने को मिली जैसे इस बार चुनाव में दृष्टिगत हमीरपुर जिले में 157 मतदान केन्द्रों का संचालन पूर्ण रूप से महिला कर्मचारियों द्वारा ही किया गया साथ ही इन केन्द्रों पर मतदाताओं एवं कर्मचारियों की सुविधा के लिए क्रेच की स्थापना की गयी थी जहां पर उनके बच्चों की देख रेख की व्यवस्था की गयी थी। हिमाचल प्रदेश 68 निवार्चन क्षेत्रों पर 412 उम्मीदवारों ने भाग्य अजमाया।

उक्त निवार्चन क्षेत्र में समुद्रतल से 15,256 फीट ऊंचाई पर अवस्थित सबसे ऊँचे मतदान केन्द्र लाहौल एंव स्फीति के ताशीगंग मतदान केन्द्र की 51 वोटरों द्वारा शतप्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। जहाँ मतदाताओं द्वारा परंपरिक वेशभूषा में मतदान किया गया वहीं चम्बा जिले की सबसे उम्रदराज ( 105 वर्षीय) महिला नारो देवी द्वारा भी मतदान किया। जबकि हिमाचल सरकार द्वारा 80 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं के लिए घर से ही मतदान करने की व्यवस्था की गयी थी।

पूर्व चुनावों की भांति इस बार का चुनाव भी शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ तथा उत्तराखण्ड के होमगार्ड्स ने पूर्ण तत्परता एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारी को पूरा करते हुए चुनाव उपरान्त ई.वी.एम. मशीनों को रोफहाऊस में जमा कराया गया तथा अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के पश्चात अगले दिन उत्तराखण्ड से आये सभी होमगार्ड्स सकुशल हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन की बसों में सवार होकर अपने–अपने जनपदों के लिए रवाना हो गये।

क्या हार ने, क्या जीत में, किंचित नहीं भय भीत में, कर्तव्य पथ पर जो भी मिला, यह भी सहीं, वो भी सहीं, वरदान नहीं मांगूगा, हो कुछ पर हार नहीं मानूगां ।

❋ ❋ ❋

# आपदा राहत ड्यूटी

जनपद देहरादून के मालदेवता क्षेत्र में सरखेत गांव में दिनांक 19–8–2022 में बादल फटने की घटना से कई लोगों की मृत्यु हुई, कई घरों को भारी क्षति का सामना करना पड़ा। होमगार्ड्स स्वयं सेवकों द्वारा स्थानीय प्रशासन के साथ आपदा राहत कार्यों का कुशलता पूर्वक निर्वहन किया।

जनपद टिहरी के कुमाल्डा क्षेत्र में दिनांक 19–8–2022 में बादल फटने की घटना से कई घरों को भारी क्षति का सामना करना पड़ा। होमगार्ड्स स्वयं सेवकों द्वारा स्थानीय प्रशासन के साथ आपदा राहत कार्यों का कुशलता पूर्वक निर्वहन किया।

जनपद टिहरी के सकलाना क्षेत्र में भारी वर्षा की घटना से कई घरों को भारी क्षति का सामना करना पड़ा। होमगार्ड्स स्वयं सेवकों द्वारा स्थानीय प्रशासन के साथ आपदा राहत कार्यों का कुशलता पूर्वक निर्वहन किया।

जनपद टिहरी के धनोल्टी क्षेत्र में में अत्यधिक वर्षा की घटना से कई घरों को भारी क्षति का सामना करना पड़ा। होमगार्ड्स स्वयं सेवकों द्वारा स्थानीय प्रशासन के साथ आपदा राहत कार्यों का कुशलता पूर्वक निर्वहन किया।

# होमगार्ड्स स्वयं सेवकों द्वारा निर्वाचन ड्यूटी चुनाव ड्यूटी

हिमाचल प्रदेश विधानसभा निर्वाचन–2022 हेतु डिप्टी कमाण्डेन्ट जनरल होमगार्ड्स श्री अमिताभ श्रीवास्त एवं श्री राजीव बलोनी होमगार्ड्स स्वयं सेवकों को दिशा निर्देश देते हुए।

हिमाचल प्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2022 में होमगार्ड्स जवान वृद्धा को पोलिंग बूथ पर सहायता करते हुए।

जनपद हरिद्वार के त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2022 में ड्यूटी रत होमगार्ड्स

# Relax, It's just a job.

Nirmal Joshi
Distt. Commandant
Rudraprayag

A beautiful line from the movie "Lagey raho Munnabhai" says,

"शहर की इस दौड़ में दौड़ के करना क्या है, अगर यही जीना हैं दोस्तों तो फिर मरना क्या है।"

Work-life balance seems to be a tough nut to crack in todays times. We tend to take our professional commitments out of proportion, and in this attempt end up messing our work-life balance. The result is that most of us have hurt relationships, health, and overall happiness.

In the professional set-up we always stick with timelines and quality of work. It is generally observed that few unnecessary vices like elevated stress levels, smouldering resentments, gossips, office conspiracies, reckless pursuit of personal interests over organisational imperatives are creeping up in our work environment, which adversely impact the organisational efficacy and efficiency, and to say the least, an individual's peace of mind.

Overall our work seems to take precedence over every thing else in our lives. So let's give space to other thoughts and ideas as well.

In workplace, prioritise quality of work over pursuit of personal interest, office conspiracies and mindless horse race. Make friends at work as well and not professional rivals.

In personal lives, prioritise one's health, take a vacation, unplug yourself sometimes, make time for yourself and your loved ones, strive for personal growth and not merely professional.

❋ ❋ ❋

# Crossing The Line

**Nitin Kakerwal**
Ejtu!Dpn n boebou
Bm psb

At last I decided to give up,
in a fix, nobody turned up.
better to laugh at life,
than to lament over it, they say,
unaware of the price I had to pay.

Inundated with solitude,
and deprived of abetment,
hostile I had turned
engulfed in the vehement.

Foggy turned the road ahead,
although summer had much more,
lost in the mind somewhere,
which earlier seemed a clear goal.

It was my inner self which reminded me,
of the hardships I had faced,
everything would be alright, it said,
just ahead, over the threshold I gazed.

Its easy enough to be pleasant,
when life flows like a song,
but the man worthwhile is the one who smiles,
when everything goes wrong.

Better to run 100 in 10,
than give up after 99 in 9,
what matters in the end is,
CROSSING THE LINE

❋ ❋ ❋

# 25 वर्षों का विभागीय कठिन सफर के कुछ अदभुद पल

श्यामेन्द्र कुमार साहू
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी
होमगार्ड्स मुख्यालय

वर्ष 2000 में उत्तराखण्ड के अस्तित्व में आने पर होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के विभागीय कार्यों हेतु मुझे पुलिस मुख्यालय उत्तराखण्ड देहरादून में नियुक्त किया गया। उस समय विभाग के पास कोई भी संसाधन व पर्याप्त कार्मिक उपलब्ध नहीं थे। यहाँ तक कि अनुभाग में मेरे बैठने के लिये कोई सीट भी निश्चित नहीं थी। जब कोई अनुभाग का कार्मिक किसी कार्य हेतु उठकर बाहर जाता तभी मैं विभागीय कार्य सम्पादित करता था। पुलिस मुख्यालय में तैनाती अवधि (वर्श 2001 से 2005 तक) पर कार्यों की जटिलताओं, असुविधाओं, साधनविहीनता एवं सुविधाविहीन स्थितियों ने मुझे कभी कर्तव्यबोध से विचलित नहीं होने दिया।

कई विकट कठिन परिस्थितियों में अत्यन्त कठोर परिश्रम, सूझबूझ एवं लगन से कार्य कर के शनै–शनै वर्श 2004 में विभागीय ढांचा, वर्श 2010 में मुख्यालय हेतु तथा वर्श 2015 में केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान हेतु भूमि आंवटित करवायी गई, जिस पर विभागीय मुख्यालय एवं केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान के भवन का निर्माण हुआ। वर्श 2016 में विभागीय ढांचे का पुनर्गठन व नियमावलियां संशोधित करायी गयी।

25 वर्शों की निरन्तर सेवा में अनेकों बार विभागीय प्रतिकूल गम्भीर परिस्थितियां सामने आयी, फिर भी मेरे मन में कभी भी विभागीय कार्यों के प्रति नैराश्य की भावना उत्पन्न नही हुयी किन्तु मैंने उसका डटकर सामना किया। कहावत है कि.....

''पिन सारे कागज को जोड़कर रखना चाहती है,
लेकिन वह हर कागज को चुभती है, इसी प्रकार
जो व्यक्ति सभी को जोड़कर रखना चाहता है
वह भी सभी के आँखों में चुभता है।''

''जो लोग आप से जलते है, उन लोगो से नफरत कभी मत करना
क्योंकि यही
तो वो लोग है, जो यह समझते है कि आप उनसे बेहतर है।''

''हर बुराई का इल्जाम मुझ पर ही आया,
कितना बुरा था मेरा अच्छा होना,
इंसान की अच्छाई पर सब खामोश रहते है,
चर्चा अगर उसकी बुराई पर हो तो,
गूंगे भी बोल पड़ते है।''

''धोखा देना अपराध होता है,
किन्तु धोखा खाना अपराध नहीं।''

''दूसरो का भला करने वाले मनुश्य को
हमेशा कश्टो का सामना करना पड़ता है,
क्योकि हमेशा फल देने वाले वृक्ष को ही
पत्थरों की मार सहनी पड़ती है।''

## सत्य कहानी तोहफा किसका होगा

जापान में एक बुजुर्ग समुराई योद्धा रहता था। उसने कई लड़ाईयां लड़ीं और सभी में उसे जीत हासिल हुई। एक विदेशी समुराई ने उससे युद्ध करने की इच्छा व्यक्त की। बुजुर्ग समुराई ने उसे युद्ध न करने की सलाह दी। बावजूद इसके विदेशी समुराई युद्ध के लिए जिद करता रहा। उसके न करने बाद भी विदेशी समुराई बुजुर्ग समुराई को अपमानित करता रहा, ताकि बुजुर्ग समुराई को गुस्सा आ जाए और वह उससे लड़ाई करने के लिए तैयार हो जाए। एक दिन विदेशी समुराई ने बुजुर्ग समुराई के सामने पैरों से धूल उड़ा दी। इतना सब होने के बाद भी वह शांत बने रहे।

अंततः विदेशी योद्धा ने अपनी हार मान ली। यह सब देखकर बुजुर्ग समुराई के शिश्य हैरान थे। एक शिश्य ने पूछा, ''आपका इतना अपमान हुआ फिर भी आप चुप क्यों रहे ?'' उसने शिश्य से एक सवाल किया, ''यदि कोई तुम्हें तोहफा दे और तुम उसे स्वीकार न करो तो वह तोहफा किसका होगा ? ''शिश्य ने कहा, ''तोहफा देने वाले का होगा।'' उन्होंने कहा, ''मैंने भी उसके बुरे शब्दों को स्वीकार नहीं किया। तो वे शब्द उसके पास गए।''

**<u>शिक्षा</u> – विवेक के प्रयोग से हम विरोधियों को भी सकारात्मक संदेश देकर उनका हृदय परिवर्तन कर सकते है। अच्छे विचार, अच्छे संस्कार, अच्छा व्यवहार करना चाहिये।**

''यह मेरा सौभाग्य था कि मुझे निरन्तर लगभग 20 भारतीय पुलिस सेवा (आई.पी.एस.) के उच्चतम अधिकारियों के अधीन कार्य करने का सुअवसर मिला, जिस कारण यह विभाग अल्प अवधि में ही प्रगति के पथ पर आरूढ़ हुआ।

**.....जय हिन्द.....**

❋ ❋ ❋

# विश्वास टूटे नहीं

कृष्णा साहू
पुत्र श्री एस.के. साहू

डाकुओं का एक गिरोह आए दिन लूट–पाट किया करता था। एक दिन व्यापारियों का एक समूह उनके इलाके से गुजर रहा था। व्यापारियों को डाकुओं ने घेर लिया। एक व्यापारी पेड़ के पीछे जा छिपा। वहाँ एक साधु माला जप रहा था। व्यापारी ने अपने सारे पैसे साधु को सुरक्षित रखने को दे दिए। साधु ने कहा, ''परेशान न हो। तुम्हारा धन कही नहीं जाएगा।'' इतना सुनते ही व्यापारी अपने साथियों के पास चला गया। डाकुओं ने सभी व्यापारियों को लूट लिया। उसने मन में सोचा कि उसके पैसे सुरक्षित है।

वह साधु के पास पहुंचा। दरअसल, वह साधु नहीं, बल्कि डाकुओं का सरदार था। व्यापारी यह जानकर निराश हो गया। तब डाकू ने व्यापारी से कहा, ''परेशान न हो। तुम्हारे पैसे रखे हुए हैं। तुम इसे ले जा सकते हो।'' व्यापारी, डाकू का आभार मानकर वहां से चला गया। अपने सरदार से डाकुओं ने पूछा, ''आपने आया हुआ धन क्यों जाने दिया ? उसने कहा, ''व्यापारी ने भरोसे से अपना धन मुझे सौंपा था। उसी कर्त्तव्यभाव से मैंने उसके पैसे दे दिए। मैंने उसका विश्वास टूटने नहीं दिया।''

**<u>शिक्षा</u> – हमें किसी को धोखा नहीं देना चाहिए। किसी का वि□वास नहीं तोड़ना चाहिए। विश्वास तोड़ने से सच्चाई और ईमानदारी भाक के घेरे में आ जाती है।**

## <u>नजरिये का फर्क</u>

एक गांव में कुछ मजदूर पत्थर के खंभे बना रहे थे। तभी उधर से एक संत गुजरे। उन्होंने एक मजदूर से पूछा, ''यहां क्या बन रहा है ?'' उसने कहां, ''दिखता नहीं हम पत्थर तोड़ रहे हैं ?'' संत ने फिर वही सवाल किया। मजदूर ने गुस्से में कहा, ''यहां पत्थर तोड़कर जान निकल गई और इन्हें यह जानना है कि यहां क्या बनेगा।'' संत ने दूसरे मजदूर से पूछा, ''यहां क्या बनेगा ?'' उसने कहा, ''यहां मंदिर बने या जेल, मुझे क्या। मुझे तो अपनीं मजदूरी से मतलब है।'' संत ने तीसरे मजदूर से भी वही प्रश्न किया। उसने कहा, ''मंदिर।

गांव में कोई मंदिर नहीं है। गांव के लोगों को दूसरे गांव पूजा करने जाना पड़ता है। हम सभी इसी गांव के हैं। कुछ दिनों के बाद यह मंदिर बन जाएगा। मंदिर में पूजा होगी, मेला लगेगा और कीर्तन होगा। मैं यही सोचकर खुश रहता हूं। मेरे लिए यह काम, काम नहीं है। मैं हमेशा मंदिर बनाने की मस्ती में रहता हूं। रात में सोता हूं और सुबह मंदिर के खंभों को तराशने के लिए आ जाता हूं।'' साधु ने कहा, ''यही जीवन का रहस्य है। बस नजरिए का फर्क है।

**<u>शिक्षा</u> – आप जो भी काम करें उसमें आनंद ढूंढ लें। काम अपने आप ही आनंदमय हो जाएगा।**

❋ ❋ ❋

# पतन का कारण

काजल साहू
पुत्री श्री एस.के. साहू

ईसा मसीह पहाड़ पर अकेले बैठे हुए थे। अचानक उनके, कुछ शिश्य वहां पहुंचे। एक ने प्रश्न किया, 'समाज में अधर्म बढ़ता जा रहा है। स्वार्थ भावना पनप रही है। संसार का भविश्य क्या होगा ?' ईसा ने कहा, 'वास्तव में मनुश्य स्वार्थ में अंधा होता जा रहा है। इससे एक–दूसरे पर आक्रमण करने की प्रवृत्ति बढ़ेगी। जगह–जगह अकाल पड़ेंगे और भूकंप होंगे। परिणामस्वरूप जन–धन की व्यापक हानि होगी। अधर्म के पनप ने से नए–नए 'मसीह' पैदा करने की होड़ भी बढ़ेगी। बहुत से लोग मेरे नाम से कहेंगे कि मैं ही मसीह हूं। झूठे भविश्यवक्ता भ्रम फैलाते दिखाई देंगे। ऐसी स्थिति में तुम सबको सावधानीपूर्वक इन भ्रमों से दूर रहना चाहिए। यदि तुमसे कोई कहे कि वह (मसीह) जंगल या कोठरियों में है, तो विश्वास न करना। जो अंत तक धीरज धरे रहेगा, अविचल रहेगा, वस्तुतः उसी का उद्धार होगा।'

ईसा ने भविश्यवाणी की, 'अंतिम समय में कठिन दिन आएंगे। मनुश्य स्वार्थी लालची, डींगे हांकने वाला और अभिमानी बन जाएगा। वह असंयमी, विश्वासघाती और कृतघ्न बन जाएगा। परमेश्वर से प्रेम करना छोड़कर सुख–विलास का दास बन जाएगा। लोग भक्ति का दिखावा तो करेंगे, लेकिन परमेश्वर के आदेश को नहीं मानेंगे। इसलिए ऐसे लोगों से दूर रहना।'

## सुनो नहीं, अमल करो

एक व्यक्ति भगवान बुद्ध के सत्संग के लिए अक्सर आया करता था। वह बहुत उत्सुकता से उनके उपदेश सुना करता। बुद्ध उपदेश में प्रायः कहते, 'लोभ, दोश और मोह पाप के मूल हैं। हिंसा करना और असत्य बोलना घोर अधर्म है। यदि सच्ची शांति चाहते हो, तो इन दुर्गुणों को त्याग दो। क्रोध करने वाला कभी शांति नहीं पा सकता।' वह व्यक्ति भगवान बुद्ध के उपदेश तो सुनता, लेकिन दुर्गुणों को त्याग नहीं पा रहा था।

एक दिन वह भगवान बुद्ध के पास पहुंचा और कहा, 'भगवन, मैं काफी दिनों से आपका उपदेश सुनता आ रहा हूं, लेकिन उनका प्रभाव नहीं पड़ा। मन बड़ा अशांत रहता है।' बुद्ध ने मुस्कराकर पूछा, तुम कहां के रहने वाले हो ? उसने कहा, श्रावस्ती का। भगवान बुद्ध ने उससे फिर पूछा, तुम अपने घर का रास्ता जानते हो ? उसने कहा, खूब अच्छी तरह। तब भगवान बुद्ध ने पूछा, रास्ता जानने के बाद उस पर चले बिना क्या तुम घर पहुंच सकते हो ? उसने उत्तर दिया, वहां पहुंचने के लिए चलना तो पड़ेगा। बुद्ध ने कहा वत्स, सिर्फ प्रवचन सुनने या कल्याण का मार्ग जानने से कुछ नहीं होता, तुम्हें उन पर चलना पड़ेगा। उन्हें अपने आचरण में ढालो, फिर देखना कि किस तरह तुम्हारा मन शांति का अनुभव करता है।' उस व्यक्ति ने ऐसा ही किया और उसका कल्याण हो गया।

❋ ❋ ❋

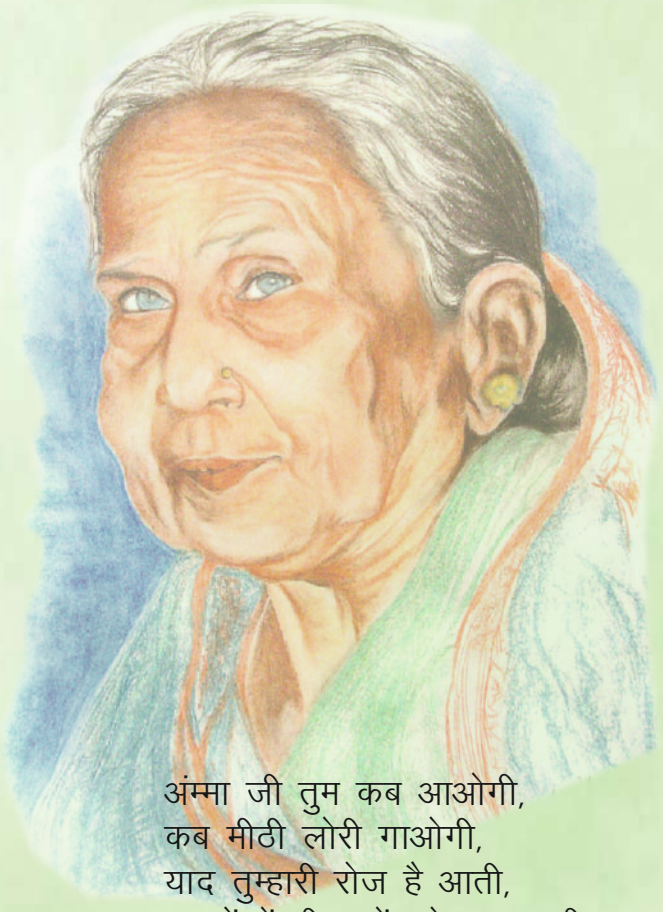

होगा 1513 मनीष चन्द्र
ई कम्पनी नगर देहरादून

# अम्मा जी

अंम्मा जी तुम कब आओगी,
कब मीठी लोरी गाओगी,
याद तुम्हारी रोज है आती,
सपनों में भी तुम्हें खोज न पाती।

पापा कहते तारो में तुम हो,
मम्मी कहती तितली में गुम हो,
अम्मा जी तुम कब आओगी
कब मीठी लोरी गाओगी।

क्यो छोड़ चली तुम दुर्बल काया को,
क्यो छोड़ चली इस मोह माया को,
गाय बन अम्मा आ जाना,
कुछ निवाले तुम रखा जाना।

रोज मैं सोचती, घडी में पुछती,
अम्मा बन मम्मी को टोकती,
भय्या के आँसू भी पोछती,
अम्मा जी तुम कब आओगी।

नही मनेगी अब ऐसी दिवाली, नही उड़ेगा ऐसा गुलाल,
लडडू मठठी और मिठाई याद आयेगा खूब अचार,
अम्मा जी तुम कब आओगी, कब मीठी लोरी गाओगी।

❋ ❋ ❋

# खाकी वर्दी

**सुरेन्द्र दत्त डंगवाल**
वैतनिक निरीक्षक
होमगार्ड्स देहरादून

खाकी का अभियान लिये,
वर्दी का सम्मान लिये,
निकल पड़े हम सड़को पर,
खाकी का अभियान लिये।

धर्म भेद का भाव न जानो,
हमको सिर्फ वर्दी से पहचानो।
पापीयों का हम काल बनेंगे,
सत्यमेव का जाल बुनेंगे।

देव भूमि हे यह हमारी,
सभी देवों को जो हे प्यारी,
यहां न कोई राग चलेगा,
सिर्फ देवों का राज चलेगा।

नहीं रुकेंगे, नहीं झुकेंगे,
पांपीयो को हम धरेगे,
शान तिरंगे की रखने को
नही कोई अपमान सहेंगे।

मॉत्र शक्ति हे संग हमारे,
वर्दी से है रूप सवारे,
जो पांपी का काल बनेगी,
सत्यमेव का जाल बुनेगी।

खाकी का सम्मान लिये,
वर्दी का अभियान लिये,
निकल पड़े हम सड़को पर,
वर्दी का अभियान लिये।

❋ ❋ ❋

# बचपन के ख्वाब हमे बड़े प्यारे थे

चेतन मैथानी
पी0सी0पी0
ऊधम सिंह नगर

बचपन के ख्वाब हमे बड़े प्यारे थे हम अपनी माँ के आँखों के तारे थे.....
खुवाबो की उस दुनिया मे हम्हीं निकल जाते थे
घर घर खेलने में
अक्सर इंजीनियर बन जाते थे..... चोट लगे किसी दोस्त को
डॉक्टर हम बन जाते थे
खेल खेल हम सभी के चहेते बन जाते थे..... बरसातो मे कागज की नौका से
हम अक्सर खेला करते थे कागज की उस नौका से
जहाजो के ख्वाब देखा करते थे...
खिलौनों की उस दुनिया मे खुशी के संग रहते थे
कागज के उन पत्रों मे अक्सर ख्वाबो को उड़ाया करते थे.....
तरह तरह के खेल हमारे
ख्वाबो को पर लगाते थे
मिट्टी के मकानों को
महलों का ख्वाब बनाते थे.. माँ बाप भी अपने ख्वाब
अक्सर हम ही में देखा करते थे
अपने दर्द को भूल हमारे संग खेला करते थे.....
ख्वाबों भरी उस दुनिया में
खुशी के संग सब रहते थे दुनिया की हर तकलीफो से
कोसों दूर हम रहते थे..

# हे राम आ जाओ

मोहन प्रसाद मैठानी
जिला कमाण्डेन्ट होमगार्ड्स,
चम्पावत।

हे राम! आ जाओ तुम फिर से,
मनुजता पुकारती करूण स्वर से,
तुम श्रेश्ठतम रहे, नर होकर के
विस्तार असीमित मर्यादा के,
हे पुरूशोत्तम! आओ फिर से
तुम्हें पुकारें हम करूणा से
भ्रातृत्व की मिसाल हमें दी तुमने
नेह दिया खग और विहग को,
रिश्ता निभाया जटायु से तुमने
सुग्रीव को कितना मान दिया,
अनुजवधू भगिनी सुतनारी
इन्हें दर्जा कन्या समान दिया,
मनुजरूप में एक अनुश्ठान हो
प्रतिमूर्ति हो तुम त्याग की,
हे सहनशीलता के प्रखर सूर्य
तुम मुस्कुराते पीर में भी,
तुम्हें नमन कर हम उठते
एहसान स्वयं पर हम करते,
जयकार तुम्हारी वे करते
दीपक, जो सूर्य बने फिरते,
एक तुम्हारी मूर्ति का होना
अँधियारे में ज्योति का कोना।

❋ ❋ ❋

2093 बसन्त सिंह भण्डारी
प्लाटून सार्जेन्ट –पाटी
चम्पावत।

# हम होमगार्ड्स ही कहलाते

सुरक्षा सर्वधाम की हम करते जायेगें,
शान देव भूमि की बढ़ातें जायेगें,
कर्त्तव्य में परवाह नहीं करेगे जान की
वतन की शान पर कुर्बान जायेगें।

अदम्य साहसी होमगार्ड्स के हम संतरी,
हिम सैल शिखर जैसे, हम अटल प्रहरी।

केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री, यमनोत्री
सर्द मौसम में हम ड्यूटी जाते
नाम अखबारों में हमारा भी होगा
यही सोचकर ड्यूटी निभाते।

नाम पुलिस का अखबारों में आता
होमगार्ड्स पीछे ही रह जाता
हम पुलिस के सहायक कहलाते
यह कैसी विडम्बना है देखो
हम सिर्फ होमगार्ड् ही कहलाते।

सर्दी–गर्मी , धूप– छॉव में,
ट्रेफिक ड्यूटी हम कर जाते
नाम पुलिस का आगे आता
हम पीछे रह जाते है।

मान सम्मान हमारा भी होगा,
यही सोच ड्यूटी हम भी निभाते हैं
मान सम्मान की अभिलासा में,
आँखें बिछाये रखते है।
यह कैसी विडम्बना है देखो जरा,
हम सिर्फ होमगार्ड्स ही कहलाते है।

❋ ❋ ❋

# भराड सर ताल

जगमोहन सिंह रावत
कनिष्ठ सहायक
होमगार्ड्स, उत्तरकाशी।

भराड सर ताल एक पवित्र धार्मिक स्थल है जो कि पश्चिम गढ़वाल हिमालय में जनपद उत्तरकाशी के सुदूरवर्ती ब्लाक मोरी में रूपिन एवं सुपिन नदी घाटी के बीच उत्तराखण्ड राज्य और हिमाचल प्रदेश की सीमा पर स्थित है। यह ताल समुन्द्र तल से लगभग 16,500 फिट की ऊँचाई पर नीलाग बैंधर की गोद में एक नर्सिग सौन्दर्य का पावन स्थल है और अंत में उत्कृश्ठ रिजोरिक दृश्य के साथ रूपिन घाटी को अलग करता है। भराड सर ताल पौराणिक दृश्टि से भगवान शिव के अंश सिधवा देवता का पवित्र स्नान स्थल है। यहाँ पर उत्तराखण्ड प्रदेश के जनपद उत्तरकाशी अन्तर्गत सुदूरवर्ती क्षेत्र मोरी एवं हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के अन्तर्गत डोडरा क्वार क्षेत्र के श्रद्धालु लोग अपने कुल देवता को भद्रपद माह (अगस्त) में पवित्र तीर्थ यात्रा करते है, और क्षेत्र की खुशहाली की कामना करते है। भराड सर ताल के चारों ओर ब्रह्मकमल एवं लेसर–ज्याईंण के सुन्दर पुश्प से भरा रहता है। जो कि यहाँ की सुन्दरता को चार चाँद लगाते है।

भराड सर ताल को देखने के लिए देश–विदेश से हजारों पर्यटक आते है और यहाँ की सुन्दरता एवं आध्यात्मिक की ओर आकर्शित रहते है। भराड सर ताल पर्यटक के रूप में विकसित हो रहा है। यहाँ पर अप्रैल माह से अक्टूबर माह तक श्रद्धालु एवं पर्यटक का आना जाना लगा रहता है।

## भराड सर ताल की मान्यता

भराड सर ताल :– रूपिन एवं सुपिन नदियों का मुख्य बिन्दु है ट्रेक की दृश्टि से एक महत्वपूर्ण स्थल है पर्यटक की दृश्टि से हिमालय में बहुत कम खोजे गयी ट्रेक में से एक है। यह उत्तराखण्ड के उत्तर पूर्वी हिस्से में रूपिन एवं सुपिन नदियों का उच्चतम उद्गम स्थल है। यहाँ पर बर्फ की सफेद चादर बारामास रहती है।

रूपिन नदी :– रूपिन नदी हिमाचल प्रदेश की सीमा से लगी फतेह पर्वत से जुड़ी बन्दर पूँछ चोटी श्रृखलाओं की हिमानियों से निःस्तृत असंख्या जल धाराओं के मिलने से रूपिन एवं सुपिन नदी का जन्म होता है। रूपिन और सुपिन अलग–अलग दिशाओं से बहकर नैटवाड के पास आकर संगम बनाती है जिसे टौंस नदी के नाम से जाना जाता है।

टौंस नदी :– पौराणिक काल में टौंस नदी का पानी छुना तक प्रतिबन्धित माना जाता है क्योंकि एक किवदति है कि त्रेतायुग में महेन्द्रथ हनोल मन्दिर के पास किरमिरी नामक राक्षस एक ताल में रहता था उसके आंतक से स्थानीय जनमानस बेहद परेशान रहते थे । यहाँ के लोगो के आवाह्न पर कश्मीर से महासू देवता लाया गया और किरमीरी को युद्ध के लिए ललकार कर भयकर युद्ध के बाद महासू देवता ने आराकोट के समीप सनेल नामक स्थान पर किरमिरी राक्षस का वध कर दिया उसका सर नैटवाड के पास न्याय का देवता के पोखु महाराज मन्दिर के पास गिरा जबकि धड नदी के किनारी इससे टौंस नदी के पानी में राक्षस का रक्त घुल–मिल गया तभी से इस नदी को अपवित्र तथा तामसी गुण वाला माना गया है।

संलग्न –फोटो ग्राफ

❋ ❋ ❋

# संघर्ष

2098 चन्द्र शेखर पंत
प्लाटून सार्जेन्ट बाराकोट
चम्पावत।

सपना बड़ा है संघर्श भी बड़ा होगा,
जीतेगा वही जो मैदान में खड़ा होगा।

दिन रात एक करनी होगी,
तब जाकर सफलता मिलेगी।

अगर जिंदगी में कामयाब होना है,
और मंजिल को पाना है,
तो उठो जागो दौड़ों और
एक नये मार्ग की खोज करो।

❋ ❋ ❋

# उम्मीद

हो0गा0 नं0 2377
कमल किशोर खर्कवाल
ग्रा0 प्ला0 चम्पावत।

निर्मल गंगा की धार हैं हम,
प्रशासन के आधार है हम।
सत्य और कर्तव्य निश्ठता से,
जन–जन को देते प्यार है हम।।

हर सम्भव करते प्रयास है हम,
हर इक से मिलकर रहते हैं हम।
जहां की मिली हमें जिम्मेदारी,
कभी ना हमने हिम्मत हारी।।

अपने अपने जिले के अन्दर
करते प्रशासन का सहयोग सभी।
अभी तो पुलिस के सहयोगी है,
बन पायेगें पुलिस कभी ?

अभी यहीं उम्मीद जागी है,
हो जायेंगे सपने साकार।।
होमगार्ड्स के निज कर्तव्यों से,
कभी तो होगी नय्या पार।।

❋ ❋ ❋

# उम्मीद

गोपाल दत्त कोटियाल
(रनर)
जिला होमगार्ड्स कार्यालय रूद्रप्रयाग।

सोच के दायरों को बड़ा कर लों,
सपने जो देखो उन्हें सच कर लों,

देकर पंख सपनो को अपने,
आसमान में उॅची उड़ानें भरलों,

अपने आप पर नाज हो तुम्हें और
मॉ–बाप को फक्र हो तुम पर
इस कदर हौंसलों को बुलन्द कर लों,

काट ना सके कोई पंखो को तुम्हारें
इस तरह जीवन में खुद को मजबूत कर लों,

हर कदम इस सफर में, मंजिले ही मंजिलें मिलेंगी
तुम्हें,बस खुद का मन आईना सा साफ कर लों,

सोच के दायरों को बड़ा कर लों,
सपने जो देखो उन्हें सच कर लों

❋ ❋ ❋

# एकता बल ही नहीं आवश्यकता भी है।

**विजयपाल**
वैतनिक निरीक्षक
जिला होमगार्ड्स कार्यालय
टिहरी गढ़वाल।
मो0न0–9997240574

## प्रस्तावना

दोस्तों हम कोई भी काम करने के बारे में सोचते हैं तो वह हमें शुरुआत में तो नामुमकिन लगता है, परंतु यदि उस काम को हमारे साथ कुछ लोग मिलकर करते हैं तो उसी काम को करना हमारे लिए बहुत ही आसान हो जाता है और हम लोगों के साथ एकता के साथ काम करके उस काम में बहुत ही जल्द सफल भी हो जाते है।

हम सभी लोग यह समझ सकते हैं कि, एकता में इतनी शक्ति है कि इसके सामने हर एक काम आसान हो जाता है। प्राचीन समय में हमारे वीर राजपूताना शासक कोई भी युद्ध लड़ने जाते थे तो अपने परिवार वालों और अपने सैनिकों की सैन्य बल शक्ति और एकता के साथ जाते थे और यही कारण था कि हमारे ज्यादातर राजपूताना शासक जीतते ही रहे।

## एकता की आवश्यकता

दोस्तों दुनिया में हर एक व्यक्ति एकता की शक्ति से भली–भांति अवगत है और यही कारण है कि, ज्यादा से ज्यादा लोग एकता में ही रहना चाहते हैं। दोस्तों आपका परिवार कितना बड़ा है यह नहीं मायने रखता बल्कि मायने यह रखता है, कि आप और आपका परिवार कितना ज्यादा एकजुट है। यदि आप अपने परिवार के साथ एकजुट होकर रहते हैं तो आप को हानि पहुंचाना किसी भी व्यक्ति के पास में नहीं है। हम आपको उदाहरण के तौर पर बताएं तो बड़े–बड़े उद्योगों में श्रमिक लोग इसी संगठन बल के कारण ही अपनी मांगों को पूरा करवाते हैं। यदि लोक संगठित नहीं होंगे तो पूंजीपति और अमीर लोग उन्हें अपना शिकार बना लेंगे और उनसे कम पैसे में ही अधिक मेहनत करवाएंगे। इन्हीं सभी का बातों को ध्यान में रखते हुए संगठित रहना बहुत ही ज्यादा आवश्यक है। दोस्तों आपकी संस्था चाहे कोई भी हो यदि आप संगठित नहीं रहते तो आपका कोई भी कार्य पूरा नहीं हो सकता। यदि आपको अपने काम में हमेशा विजयी घोषित होना है तो आपको हमेशा संगठित रहना होगा और अपने संगठन के हर एक व्यक्ति की बातों पर अमल भी करना होगा।

## एकता का महत्व

एकता का महत्व बहुत ही अनमोल है इसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। जिस प्रकार जल की बूंदें एक–एक करके तालाब का रूप ले लेती हैं, ठीक उसी प्रकार यदि इंसान भी संगठित होने लगे तो वह कभी भी नहीं हारेगा। एक–एक व्यक्ति एक दूसरे के साथ जोड़कर बहुत ही बड़ा संगठन तैयार कर सकते हैं और एक संगठन किसी भी चट्टान को भी हिलाने में मददगार होगी अर्थात आप यह समझ सकते हैं कि संगठित रहकर आप सभी लोग कोई भी कार्य कर सकते हैं और बड़ी ही आसानी से उसे सफलता भी प्राप्त कर सकते। सफलता पाने के लिए हम सभी लोगों को हमेशा एकजुट होकर रहना चाहिए और एकता के बल को लोगों तक पहुंचाना भी चाहिए।

## एकता के कुछ उदाहरण

मिलजुल कर कार्य करना और रहना शक्ति को ही संकेत करता है और यह एक तरह से एकता

का ही उदाहरण है। एक गांव में बूढ़ा व्यक्ति रहता था, जो लकड़ी का काम किया करता था। एक बार अचानक से उस व्यक्ति की तबीयत बिगड़ जाती है और वह बिस्तर पर पड़ जाता है। उस व्यक्ति के पांच बेटे होते हैं, जो हमेशा आपस में लड़ा करते थे। उन सभी के पिता इन से परेशान होकर उन्हें सबक सिखाने के लिए एक बार अपने पास बुलाता है और पांचों को जंगल से जाकर दो दो लकड़ी लाने को कहता है। सभी लड़के लकड़िया लेकर आते हैं और बूढ़ा आदमी उनसे कहता है सभी लोग एक–एक लकड़ियां तोड़ो। सभी अपना जोर दिखाने लगते हैं और लकड़ियों को तोड़ देते हैं। अब बूढ़े आदमी ने पांचों लकड़ियों को एक साथ लगा दिया और फिर एक एक को उसे तोड़ने को कहा, परंतु वह लकड़ी का गट्ठर किसी से भी नहीं टूटा।बूढ़े आदमी ने फिर उन्हें बताया कि ठीक इसी प्रकार यदि तुम आपस में ही लड़ते रहोगे तो कोई भी तुम्हें आसानी से दौड़ सकेगा और यदि तुम सब एक साथ मिलजुल कर रहोगे तो तुम्हें हराना किसी के भी बस में नहीं होगा।अतः इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है, कि मिलजुल कर रहने से हम बड़े से बड़ा दुश्मन भी हमारा कुछ नहीं कर पाएगा।

## निष्कर्ष

हमें यही सीख मिलती है कि,एकता में ही बल है,तथा एकता बल ही नहीं आवश्यकता भी हैअर्थात यदि हम सभी लोग एक साथ मिलकर रहेंगे तो पड़ोसी देश या फिर कोई भी हम पर आक्रमण करने से डरेगा। किसी भी जंग को जीतने के लिए हमें सैन्य बल की नहीं बल्कि एकता की आवश्यकता होती है और एकता से हम किसी भी जंग को बड़ी ही आसानी से जीत सकते हैं।

❋ ❋ ❋

# श्रीमान जी होमगार्ड्स कमाण्डेन्ट जनरल महोदय को सर्मपित।

हो.गा. 1273
जयप्रकाश डिमरी
उत्तरकाशी।

श्रीमान श्री कमाण्डेन्ट जनरल महोदय,
आप ने जब से विभाग की डोर है सम्भांली है
होमगार्डस विभाग को नये आयाम मिले है,
हर दिल में अरमान जगे है कि हमें आप मिले है।
दिल में जूनून देश भक्ति की चमक रखता हूँ,
आप आये तो उम्मीद, आश रखता हूँ।
हम सरहदो पर न सही ये भी ज्ञान रखता हूँ
हर नगर, शहर, जिला, गलियों काम करता हूँ।
वर्दी नसीब नही होती सबको यह ज्ञान रखता हूँ।
कम नही किसी से हम यह स्वाभिमान रखता हूँ।
सर्दी, गर्मी, वर्शा धूप में भी अपना काम करता हूँ
हम होमगार्डस जवान है इस बात का मान रखता हूँ।
अधिकारी गणो का सम्मान रखता हूँ,
आम इन्सानो के दिल मे जगह रखता हूँ।
बच्चो को प्यार, महिलाओं का आदर करता हूँ
बुजुर्गो का सम्मान, पुरुशो को सावधान रखता हूँ।
अपने काम से बढ़कर काम का जुनून रखता हूँ
हम भी जवान है इस बात का मान रखता हूँ।
अनीति, अत्याचार,र्दुव्यहार को दूर रखता हूँ
ईर्श्या द्वैश से अलग रहें सभी को समझता हूँ।
गर पीड़ा किसी को हो अपनी पीड़ा समझता हूँ
नियामों से बँधे रहकर देश सेवा करता हूँ
माता–पिता गुरु ही देवता है यही गुण गाता हूँ
आदर सेवा से जीवन सफल है यह नीति बताता हूँ।
हम भी जवान है इस बात से हर्शाता हूँ।

❋❋❋

# उत्तराखण्ड की कुछ महत्वपूर्ण ऐतिहासिक तिथियाँ

श्रीधर शर्मा
पोस्ट वार्डन (दक्षिणी प्रभाग)
नागरिक सुरक्षा संगठन, देहरादून

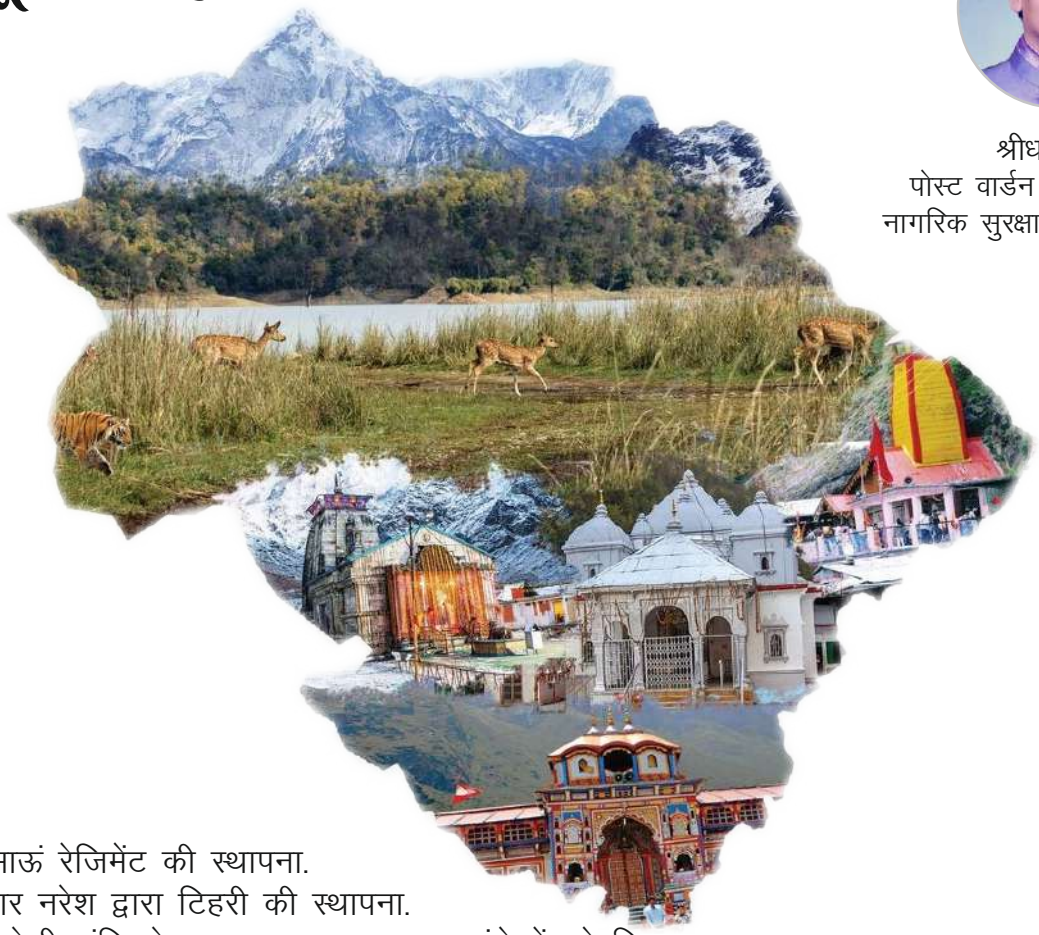

1724: कुमाऊं रेजिमेंट की स्थापना.
1815: पंवार नरेश द्वारा टिहरी की स्थापना.
1816: सिंगोली संधि के अनुसार आधा गड़्वाल अंग्रेजों को दिया गया.
1834: अंग्रेज अधिकारी ट्रेल ने हल्द्वानी नगर बसाया.
1840: देहरादून में चाय के बगान का प्रारम्भ.
1841: नैनीताल नगर की खोज.
1847: रूड़की इन्जीनियरिंग कालेज की स्थापना.
1850: नैनीताल में प्रथम मिशनरी स्कूल खुला.
1852: रूड़की में सैनिक छावनी का निर्माण.
1854: रूड़्की गंग नहर में सिंचाई हेतु जल छोडा गया.
1857: टिहरी नरेश सुदर्शन शाह ने काशी विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया.
1860: देहरादून में अशोक शिलालेख की खोज. नैनीताल बनी ग्रीष्मकालीन राजधानी.
1861: देहरादून, सर्वे आफ इंडिया की स्थापना.
1865: देहरादून में तार सेवा प्रारम्भ,
1874: अल्मोडा नगर में पेयजल व्यवस्था का प्रारम्भ.
1877: महाराजा द्वारा प्रतापनगर की स्थापना.
1878: गढ़वाल के बीर सैनिक बलभद्र सिंह को श्आर्डर आफ मेरिटश प्रदान किया गया.
1887: लैन्सडाउन में गढ़वाल राइफल रेजिमेंट का गठन.
1888: नैनीताल में सेंट जोजेफ़ कालेज की स्थापना.
1891: हरिद्वार देहरादून रेल मार्ग का निर्माण,
1894: गोहना ताल टूटने से श्रीनगर में क्षति,

# होमगार्ड्स ट्रेनिंग वर्ष 2020-2021

जनपद हरिद्वार के होमगार्ड्स जिला प्रशिक्षण केन्द्र श्रीनगर गढ़वाल में, 42 दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान

जनपद हरिद्वार के होमगार्ड्स पुलिस लाईन, हरिद्वार में यातायात प्रशिक्षण के दौरान

# Pyramid Energy and Vastu Science

Dr Satish Agarwal
Chief Warden, Civil Defence
Dehradun

Pyramid knowledge first came to me in year 2001, when I used small pyramid for correction of vaastu defects in my house. I was ill all the times and doctors advised me for a surgery but pyramid energy healed me without surgery. It has been 21 years since then and I am still absolutely fine after the use of pyramid devices in house and doing meditation in a pyramid shape structure made of wood gave marvelous result and changed my life style, thoughts and actions which cured my spine problem and I got relief from pain.

This made me go in for a deep study on pyramid as my mind was full of questions like how did this happened? What's the magic behind this? Pyramid are external structure how did they effect our internal anatomy? How the external environment affects our thoughts, words and gesture? Can the external atmosphere, ambience if changed also bring changes to our cellular anatomy? These external structures must be radiating energy all the time and this energy must be responsible for bringing changes or affecting thoughts and human being or even creating an energy field favoring the plant kingdom and mineral kingdom there are so many energies which are generated through permutation combination of things or various elements, electrical energy all five Gravitational (fire, earth, water, elements energy do we access or feel air and wind) How this energy, the answer must be within our five senses (eye-vision, skin-touch, nose-smell, tongue-taste and ear-sound)? Let us all assume for an example that we all are in a park as park is full of nature having hills, flowers, rivers, waterfall, animals, birds, fruit trees etc. and we can see a rainbow and clouds touching the earth when we see all these things together, we would suddenly exclaimed WOW! Because all of our five senses will together will have the best

Eyes will see beautiful hills, trees, rivers nose will smell the fragrance of flower and fruit. Ear will hear the sound of flowing water, animals and birds and you can touch the beauty of trees feel the softness of flower and animals. Space elements like rainbow will act as a shelter for all.
A positive experience for all five senses brings a positive health uniformity in the body at cellular level and our physical, mental and emotional levels are also changed.
What is that study which involve all five elements, the atmosphere, the human body and plants and their interrelation. I came to know that this sort of study is called vaastu. The ancient knowledge which is given in our Veda's study of Vedas include study of direction, energy, five elements, living and non-living beings and their inter relationship.

The core requirement of any relationship is communication so there must be a communication between all these factors present in nature.

So how a communication is established. It can be through

- Talk between two person means living being to living being
- Between living being and non-living being
- Between non-living and non-living
- Within a living being
- Within a non-living being

There is a continuous communication between everything here law of gravity works all the times. Newtons law state that for every action there is an equal and opposite reaction it means whatever is communicated will bring same result sooner or later. This made me study science of vaastu, I call it as mother off all science. Vastu study revealed me the fact that we all have dreams and desires such as we all need a good house, good health, tons of money, power, good relationship and utmost requirement in peace and happiness As I earlier mentioned that creating energy around affect our emotions so you cannot exist, remain alive and perform our entire task efficiently without the support of environmental energy. Vaastu knowledge made me believe that abundance is all around us. Every thing in the Universe is well planned phenomena, ample amount of life force is freely available in the environment, but what is the technique of absorbing that gives the optimum results. The answer is spiritual technique of ancient Vedic wisdom called vastu and practicing this brings health, happiness and prosperity in our life.

Presently, people know vaastu as something with the building only but the right way is to have a holistic perception. Building is just a part of whole. Vaastu is greater than the sum of its parts. All the parts are interconnected such that they cannot exist independently without the whole. The entire universe is holistic connected unit and ready to help us. We as humans are as one unit in the whole.

So, must understand our own role in the process, without our own efforts or energy nothing will come true. It means that we have to focus on our own powers. We are the most essential ingredient in the phenomena, that phenomena is Vaastu that converts nothingness to everythingness which could be understood by the invisible forces behind. A microscopic egg converting into a human being or a tiny seed into a giant tree. We can understand that there are visible and invisible forces behind every activity. Invisible forces are continuous and effects visible forces also. So, we must shift our focus from visible to invisible. Like matter (visible) to energy(invisible), from outer (visible) to inner(invisible).

There are three vital factors broadly can be seen, one is the energy of the sky which we can call as father, second is motivation power of the earth which we can call as mother and third one is between sky and earth which is, we ourselves (human). These three together produce all that we need. Sky, man and earth have their own scientific rules. By utilizing the domain of all three and by combination of vital energy, bio energy and potential of each particle, we can achieve what we desire.

Infinite amount of beneficial energies are descending from the father sky and arising from the mother earth, but if our channels for accepting these energies are choked say by our own physical, emotional and mental negativities, we will be in trouble. Just by removing these negativities at all level of consciousness we can get relief. It is observed that there our five choking poisons. These are lust, anger, greed, attachment and ego. To remove these we must use the antidote of love, compassion, contentment, truth and humanity. This will bring positivity in our life.

Now, think if there is any tool that can enhance the result in shorter duration and bring us better results of good quality even under certain unfavourable conditions. Yes, it has been told and practiced by many scientists and I myself follow Prof. Jiten Bhatt who introduced me this tool called as Pyramid. And if we add Pyramid Energy as a catalyst with the science of environment

that is five elements, directions and its interrelationships with human being called Vaastu gives fantastic results in health, happiness, harmony & prosperity. And this science we call it as Pyramid Vaastu.

An experiment is an orderly innovative act to try something new especially to know truth and gain experience, So I did experiments on Pyramid Vaastu to experience happiness, health and total wellbeing. The real way to live life is through knowledge and practice, and not through intellect and talk. I started experimenting without even thinking of the end result. All experiments may not work but one that works can change the life, so do happened with me.

It was in 2001 when my house was under construction and my property has south west extended corner. With the start of construction work, I started facing many troubles. I found that South West extension of property is very harmful and then I went for remedy for this defect by placing pyramid devices in the property.

The results of placing these Pyramid devices in the property gave fabulous results. This made me think over Pyramid Energy and for the sake of Ist experiment I constructed a wooden pyramid of 6'x6', wherein I used to sit inside for meditation.

Another great master and my guru "Brahmrshi Patri Ji", whom I met in a program related flute meditation at Dehradun in 2003, motivated me. He asked me to make pyramid for public where my people can be benefitted. I too started visualizing pyramid structures and pyramid complex. This was repeating again and again.

With regular meditation in pyramid and with my patience I had great experiences which had a transforming effect in my life leading to new understanding. There are many things in our life which are out of our control, however its possible to take responsibility for our own state of our mind and to
change them to better. Pyramid meditation is the most present thing we can do.
It is an antidote of our own poison like hatred, fear, anxiety, sorrow and confusion.
In pyramid meditation the mind is clear, relaxed and involve focus while we meditate, while meditating our body is fully awake and alert, But the mind loses all connection with outer world and enters into our internal world. It requires an inner state that is still and one-pointed so that mind becomes silent and away from all distractions the true essence of meditation begins When we are sitting under a meditation pyramid or when we have a pyramid over our head, the 1/3rd height or the kings chamber comes at the place in the brain where our pineal gland, hippocampus, pituitary gland and thalamus are located. These are the area of our brain which control our whole body .

Live Study of Pyramid Energy In order to study pyramid energy and its effect on our environmental energy and human body, I decided to construct pyramid complex as was visualized in my meditation in 2005 I happened to be at Rajawala road near suburban area Selaqui of Dehradun town. There I saw a property having an orchard, a old Goshala and few old walls the property attracted me toward it and if seemed like as in the property had its own life force pulling me in. I thought of doing meditation there and when I sat there, the same pyramid structure was visualized by me again then I immediately decided to buy the land and was able to finally buy it in 2006 the first thing we (my family) did was that we constructed a goshala and a pyramid of size 36 feet by 36 feet the place later
became famous and people started calling it as "pyramid ashram"

❋ ❋ ❋

# CIVIL DEFENCE WORK AT ONCE

Civil Defence volunteers work with a motto of "Nishkam-Seva" meaning doing work without expectation of any reward. In the year 2022, Civil Defence volunteers in Dehra Dun helped people by organizing various Free Vaccination Camps, Free Health Camps and Blood Donation Camps. Civil Defence volunteers also helps Traffic Police in Traffic Management at various prominent Chowks in Dehra Dun. With the help of Fire Department Civil Defence volunteers organizes various training programs in schools and colleges every month. Civil Defence volunteers act as "First-Responder" during any mishap like road accident, fire, flood or earthquake by helping people in first-aid or rescue work. Civil Defence Dehra Dun also do plantation at schools, colleges, road-sides and river banks on regular basis. Civil Defence volunteers helps elderly and disabled people to caste their votes during election. One of the extraordinary works done by Civil Defence volunteers this year also includes rescue of people at Maldevta during the cloud burst. Civil Defence Dehra Dun good work for the people will go on and on. JAI-HIND.

**Dr. Vishwa Raman**
Divisional Warden (N), Dehra Dun.

नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवकों द्वारा
असहाय व्यक्ति का दिनांक 18–09–2022
का अंतिम संस्कार करते हुए

दक्षिणी प्रभाग द्वारा
अग्नि शमन शिविर के आयोजन
में स्कूली छात्राओं को प्रशिक्षण देते हुए।

नागरिक सुरक्षा संगठन द्वारा
दिनांक 25–09–2022 को
नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का
आयोजन किया गया

निदेशक नागरिक सुरक्षा
द्वारा
दिनांक 25–09–2022 को आयोजित
नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में चिकित्सकों
को सम्मानित करते हुए।

उपमहासमादेष्टा नागरिक सुरक्षा
द्वारा दिनांक 16–09–2022 को विभिन्न स्थलों पर
लगे आपातकीलन सायरनों का निरीक्षण करते हुए।

दिनांक 16–09–2022 को देर शाम 8.00 बजे
किशन नगर चौक पर आत्माराम धर्मशाला में दिमागी
रूप से विक.... लडकी पाये जाने पर नागरिक सुरक्षा के
स्वयं सेवकों श्री बलविंदर, नितिन कुमार, डॉ अशरफ
डॉ मुशीर ने  लड़की के सम्बन्ध में फोटो से पूछताछ कर
गोविंद गढ़ पहुंचाया।

दिनांक 6–10–2022 को देर शाम 8.00 बजे
दिलाराम चौक पर स्वयं सेवक श्री गिरीश चन्द्र भट्ट
नार्थ डिवीजन, यातायात संचालन करते हुए।

# राम एक संत नायक

लोकेश गर्ग
उप प्रभागीय वार्डन (उत्तरी प्रभाग)
नागरिक सुरक्षा संगठन,देहरादून

तुलसीदास ने अपने राम को बहुत कुछ एक संत के रूप में चित्रित किया है स बाल्मीकि के राम की मुखश्री भी पहले राज्य प्राप्ति के और फिर वनवास प्राप्ति के समाचार से विकृत नहीं होती ; किन्तु यह मनोवृत्ति तुलसी के राम के लिए जितनी स्वाभाविक है उतनी आदिकवि के राम के लिए नहीं स बाल्मीकि के राम एक आदर्श वीर और नीति परायण शासक है ; तुलसी के राम केवल उतने ही नहीं हैं स वे सच्चे अर्थ में एक संत हैं जो कभी किसी की बुराई नहीं सोच सकते, और क्रोध जिनके स्वाभाव का सहज अंग नहीं है स राम के रूप तुलसी ने एक ऐसे व्यक्ति को दर्शाया है स जिससे सहृदयता , करुना, मैत्री , उदारता आदि अशेष नैतिक गुण पूरी मात्रा में विद्यमान है स विशुद्ध नैतिकता की दृष्टी से मानव जाती का कोई कवि राम के उच्चतर व्यक्तितत्व की कल्पना कर सका है, या कर सकेगा इसमें संदेह है स इसका कारण संभवतः यह है कि राम का व्यक्तित्व मूलतः एक संत का है जिसमे स्वार्थ, घृणा, हिंसा आदि की वृतियो के लिए कोई स्थान हो ही नहीं सकता स यही कारण है तुलसी का मानस अथवा उनके राम महात्मा गाँधी जैसे नेताओ को प्रेरणा एवं बल दे सके स

मानस में दो प्रकार के आदर्श चारित्र हैं , एक ओर राम है जो अवतार होने के साथ साथ अद्रश महापुरुष भी है, दूसरी ओर राम के भक्त हैं जिनमे भारत प्रमुख हैं स मानस में आदर्श सर्वसाधारण के लिए अनुकर्णी आदर्श है यह मानस का सम्पूर्ण अभिप्राय नहीं है स जहा राम सलघ्या व् अनुकरण योग्य स वहां स्पष्ट ही उनके अलौकिक कृत्य साधारण लोगो के लिए उधाहरण नहीं बन सकते स तुलसीदास यह कभी नहीं भूलते कि राम वस्तुतः भगवान हैं उनके सुख दुःख बाधाये, आम जन के लिए पालन करना कठिन कार्य हो सकता है स ऐसी स्थिति में सर्व साधारण के लिए पूर्णतःअनुकर्णी आदर्श भरत जैसे भक्तो का ही हो सकता है स विद्यावारिधि प.ज्वाला प्रसाद मिश्र द्वारा सम्पादित मानस के अनुसार संजीवनी औषधि लेकर लौटते हुई हनुमान भारत द्वारा अयोध्या में रोक लिए गए थे स वह उनसे यह जानकर की लाक्स्मन मरण शैया पर है , सुमित्रा को हर्ष और शोक दोनों हुए दृ हर्ष यह सोचकर की लक्ष्मण राम के लिए लड़ते हुए मरे,शोक का कारन दृ पुत्र के मरनासन अवस्था का जानना से अतरू मानस में सर्वत्र जन साधारण के लिए यही उपदेश है कि उन्हें भगवसन की भक्ति के लिए जीवित रहना चाहिए स और उनके आदर्शो एवं कृत्यों का अनुसरण करने का प्रयत्न करना चाहिए।

❋ ❋ ❋

**LOKESH GARG**
**Dy. Divisional Warden (North Division),**
**Civil Defence Organization, Dehra Dun.**

# *Female foeticide – A social crime and a blot on humanity*

"Imagine what will be the world without me"
Indeed, when one sees these words, hear them on roads somewhere, one is forced to think whether the world is possible without woman. The answer one gets is "no". Our Vedas have given a high place to woman. She has been considered as half the part of this whole creation. Even Lord Shiva is worshipped in one of the forms as ArdhNarishwar indicating the important place of woman in ancient India. But in present times, the social evil of female foeticideindicates the level to which man have deviated from these great ideals.

In the just concluded Olympic games, many woman players like MeeraChanu,P.V.Sandhuand in IBA Women's World Boxing Championship NikhatZareen have brought laurels to the country but during the time they were busy covering themselves with glory, many Meeras and Zareens would have been killed before birth. I am reminded of an advertisement on the National Television in which it is shown that a couple goes to and Ultrasound clinic for the gender test with a plan to abort the foetus if it is girl. During the test they hear a voice from the womb of the mother which says, "Mummy-Papa !Don't kill me. I will be your good girl. I will be obedient and serving. I will work hard to make you proud." Listening to this voice, the conscience of the couple is awakened and they decide to give birth to her. Has our conscience gone in such deep sleep that it needs an appeal from an unborn baby to wake it up ? Facts seem to point towards it.

According to a National commission for Women report in India, the gender ratio is 919 females for every 1000 males as per the report of National Family Heath Survey of December,2021 In Uttarakhand the ratio is 888, in Punjab 860 while in Dehradun where we live, it is mere 921. In a country where woman is worshipped, acts of female foeticide are really a blot on society. Our country has been honored by the birth of many eminent women personalities who have been Prime Minister, President,

chief Minister, Governors and bearer of other high posts, but on the other , even today, birth of girl child does not bring the same joy as that of a boy and the daughters are mostly treated par with the sons. There are many reasons for this.

A son is seen as the carry forwarder of the Vansh and the daughter as a liability whereas it has been proved time and again that the girls are no lesser that the boys in bringing glory to the family's name. In fact, in some fields they have left the boys behind. We have the examples of SainaNehwal, Marry Kom, KalpnaChawla, Tessy Thomas, AnandibenGopalRao Joshi(first physician in 1887) and BachhendriPal to name a few. Another reason is that if there is a son, then there will be no botheration of giving dowry. But the fact is that in today's times, daughters are themselves capable of achieving selfreliance. It is also said that the son will support parents in old age. But daughters are not behind in serving their parents. Many instances have come to light that parents abandoned by sons have been supported ably by daughters.

We have often heared,

**"Poot kaput to kyondhansanchay, Pootsaput to kyondhansanchay"**

( It is useless to amass wealth for a bad son because he will waste all the money. It is also useless to amass wealth for a good son because he will have the capability to earn wealth himself.)

But we have never heard of **Kuputri** or bad daughters.

High female foeticide has bred many negative consequences. It it goes on like this, a time will come when it will be difficult to find brides for our sons. Woman is the most beautiful creation of god. She spread beauty, forbearance and softness in the world. Lowering gender ratio will gradually bring reduction in these qualities in society. Hence there is need to focus our energy on eradicating female foeticide from the community. Various laws have been made for controlling this social evil. The need is to make their implementation stronger. There is also a need to spread awareness about the issue. Related awareness material may be included in the educational curriculum for sensitizing people from childhood about it. As citizens, we all have the responsibility to fight against this evil and we will. Because Manusmriti says….

**"YatraNaryastupujyanteyramanteytatradevta,**
**Yatreytastunapujyanterysarvastatraphalakriyah"**

(God resides where women are worshipped. Where they are not worshipped(or respected), all actions go fruitless.)

# भारतीय समाज में नारी का स्थान

शुभम राणा
कनिष्ठ सहायक
होमगार्ड्स मुख्यालय, देहरादून।

दुनिया के सात अजूबे कौन कौन से है उनके नाम ( 7 ॅवदकमते व ि जीमॅ वतसक पुजी दंउम पद ीपदकप )
दुनिया के सात अजूबे सबसे पहले लगभग 2200 साल पहले आये थे. प्राचीन विश्व में सबसे पहले 7 अजूबे का विचार हेरोडोटस और कल्लिमचुस को आया था.

उस समय के सात अजूबे थे (7 ॅवदकमते व ि जीम व्सक ॅवतसक ) दृ

- ग्रेट पिरामिड ऑफ गिजा
- हैंगिंग गार्डन ऑफ बेबीलोन
- स्टेचू ऑफ जीउस अट ओलम्पिया
- टेम्पल ऑफ आर्टेमिस
- माउसोलस का मकबरा
- कोलोसुस ऑफ रोडेज
- लाइटहाउस ऑफ अलेक्सान्दिरा

इन सात अजूबों में सिर्फ अभी ग्रेट पिरामिड ऑफ गिजा बचा हुआ है और इसे अब एक 7 अजूबों से अलग एक विशेष स्थान दिया गया है. बाकि सभी अब नष्ट हो चुके है.

इसके बाद कई देश के इंजिनियर और शोधकर्ताओं ने अपने अपने हिसाब कई लिस्ट निकाली, लेकिन उसे पुरे विश्व से सहमति नहीं मिली.

दुनिया के नए सात अजूबे (ैमअमद ॅवदकमते व ि जीम डवकमतद ॅवतसक ) दृ

21वी सदी शुरू होने से पहले 1999 में सात अजूबे को नए तरीके से सबके सामने लाने की बात शुरू हुई. 21वीं सदी के भारत के बारे में यहाँ पढ़ें. इसके लिए स्विट्जरलैंड के ज्यूरिक में न्यू 7 वंडर फाउंडेशन बनाया गया. इन्होने कैनेडा में एक साईट बनवाई, जिसमें विश्व भर की 200 कलाकृति के बारे में जानकारी थी, और एक पोल शुरू हुआ, जिसमें इन 200 एंट्री में से 7 एंट्री को चुनना था.

न्यू 7 वंडर फाउंडेशन के अनुसार इस परियोजना में लगभग 100 मिलियन लोगों ने नेट एवं फोन के द्वारा अपना वोट दिया. इन्टरनेट के द्वारा एक इन्सान एक ही बार 7 अजूबे चुन कर वोट कर सकता था, लेकिन फोन के द्वारा एक इन्सान कई वोट दे सकता था. वोटिंग 2007 तक चली थी, जिसका रिजल्ट 7 जुलाई 2007 को लिस्बन में सबसे सामने आया.

| अजूबा का नाम | निर्माण | जगह |
|---|---|---|
| चीन की दीवार | सातवी ठब् शताब्दी में | चीन |
| पेट्रा | 100 ठब् | जोर्डन |
| ताजमहल | 1648 | भारत |
| क्राइस्ट रिडीमर | 1931 | ब्राजील |
| माचू पिच्चु | ।क 1450 | पेरू |
| कोलोसम | ।क 80 | इटली |
| चिचेन इत्जा | ।क 600 | मैक्सिको |

दुनिया के नए सात अजूबे के बारे में विस्तार से जानिए

1– चिचेन इत्जा (बिपबीमद प्ज्रं) दृ चिचेन इत्जा मैक्सिको में बसा बहुत पुराना मयान मंदिर है. इसका निर्माण ।क 600 में हुआ था. चिचेन इत्जा माया का सबसे बड़ा शहर है, यहाँ की जनसँख्या भी अधिक है. मैक्सिको में चिचेन इत्जा में सबसे पुराना पुरातात्विक स्थलों में से एक है, जहाँ हर साल 1.4 मिलियन पर्यटक घुमने आते है. चिचेन मैक्सिको में युकान्तन स्टेट में स्थित है.

चिचेन इत्जा का माया मंदिर 5 किलोमीटर में फैला हुआ है. यह 79 फीट ऊँचा है. जो पत्थरों से पिरामिड की आकृति का बना है. इस मंदिर में उपर जाने के लिए चारों दिशाओं से सीढियां बनी है, टोटल 365 सीढियां है. हर दिशा से 91 सीढियां है. कहते है, हर एक सीढ़ी एक दिन का प्रतिक है. उपर 365 दिन के लिए एक बड़ा चबूतरा बना हुआ है. इसके अलावा इस जगह पर पिरामिड ऑफ कुकुल्कन, चक मूल का मंदिर, हजार स्तंभों के हॉल एवं कैदियों के खेल का मैदान है. यह सबसे बड़े मयान मंदिरों में से एक है.

2– क्राइस्ट दी रिडीमर (बितपेज जीम त्मकममउमत) दृ यह ब्राजील के रियो डी जनेरिओ में स्थित है. दुनिया एकलौते जीवते परमेश्वर येशु मसीह की 38 मीटर, लगभग 130 फीट ऊँची और 28 मीटर चौड़ी यह प्रतिमा, दुनिया के अजूबों में से एक है. इससे ऊँची कोई भी प्रतिमा आज तक नहीं बनी है. दुनिया के उद्धारकर्ता के रूप में माने जाने वाले येशु मसीह

की इस मूर्ती का निर्माण 1922 में शुरू हुआ था, जो 12 अक्टूबर 1931 को इस जगह पर स्थापित किया गया था. यह मूर्ती क्रांकीट और पत्थर से बनी है, जिसे ब्राजील से सिल्वा कोस्टा ने डिजाईन किया था, एवं फ्रेंच के महान मूर्तिकार लेनदोव्सकी से इसे बना के तैयार किया था. इसका वजन 635 टन के लगभग होगा. यह रियो शहर के 700 मीटर ऊँची कोरकोवाडो की पहाड़ी पर स्थित है. दुनिया भर में ईसाई धर्म का यह बहुत बड़ा प्रतीक है.

3— चीन की दिवार (जीम ळतमंज ॅंसस व िबीपदं) दृ चीन की इस विशाल दीवार को दुनिया में सब जानते है. यह दीवार कई हिस्सों में वहां के शासकों द्वारा अपने राज्य की रक्षा के लिए बनाई गई थी, जिसे धीरे धीरे जोड़ दिया गया, जो अब एक किलेनुमा आकृति की हो गई है. इसका निर्माण सातवीं शताब्दी से 16 वीं शताब्दी तक हुआ था. यह महान कलाकृति इतनी मजबूत, और विशाल है कि इसे ग्रेट वाल ऑफ चाइना कहा गया. इस चीन की दीवार की विशालता को वैज्ञानिक ने अंतरिक्ष से भी देखा है, इस मानव निर्मित कलाकृति वहां से भी दिखाई पड़ती है. इसका निर्माण मिट्टी, पत्थर, ईंट, लकड़ी और दुसरे मटेरियल को मिला कर हुआ है. यह विशाल दिवार पूर्व के दंदोंग से शुरू होकर पश्चिम में लोप लेक तक फैली है. चीन की दीवार लगभग 6400 किलोमीटर तक फैली है, और यह 35 फीट ऊँची है. यह दीवार किले के समान बनी है, इसकी चौड़ाई इतनी है कि इसमें 10—15 लोग आराम से चल सकते है.

4— पेट्रा (च्मजतं) दृ साउथ जॉर्डन में बसे पेट्रा शहर की कलाकृति सात अजूबों में शामिल है. यह एक एतेहासिक और पुरातात्विक शहर है. इस शहर में चट्टानों को काटकर वास्तुकला का निर्माण हुआ है, साथ ही यहाँ पानी की नालीनुमा प्रणाली है, यही वजह है ये शहर बहुत फेमस है. इस शहर को रोस सिटी भी कहा जाता है, क्यूंकि यहाँ को पत्थर काटकर कलाकृति बनी है, वो सब लाल रंग की है. इसका निर्माण 312 ठब के लगभग हुआ था. यह जॉर्डन का मुख्य आकर्षण है, जहाँ हर साल बहुत से पर्यटक जाते है. यहाँ ऊँचे ऊँचे मंदिर है, जो आकर्षण का केंद्र है. इसके अलावा तालाब, नहरें भी है, जो बहुत सुन्योजित तरीके से बनाई गई है. इसको देखने के लिए भी लोग बहुत यहाँ आते है.

5— ताजमहल (ज्ंर डींस ीपेजवतल) दृ भारत की शान ताजमहल भी दुनिया के सात अजूबों में से एक है. अपनी खूबसूरत कलाकारी, आकृति की वजह से इसे अजूबा बोला गया था. ताजमहल का निर्माण 1632 में शाहजहाँ द्वारा करवाया गया था, यह एक प्यार की निशानी है, जिसे शाहजहाँ ने अपनी पत्नी मुमताज की याद बनवाया था. सफेद संगमरमर का बना ये मकबरा, पूरी तरह से सफेद है, जिसके चारों ओर बगीचा है, एवं सामने पानी की बारी है. ताजमहल भारत के आगरा शहर में स्थित है. इस जैसे सुंदर कलाकृति दुनिया में और कही देखने को नहीं मिलेगी. मुगल शासक शाहजहाँ ने जब इसे बनवाया था, तब इसमें 15 साल का समय लगा था, और इसे बनाने के बाद राजा ने निर्माण से जुड़े सभी मजदूरों के हाथ कटवा दिए थे, ताकि वे ऐसा कुछ दूसरा न बना सके. भारत में मुगलों लम्बे समय तक शासन किया था, इस दौरान उन्होंने बहुत सी शिल्पकारी, कलाकृति बनवाई थी, जो आज तक भारत में मौजूद है. ताजमहल की सुन्दरता को देखने के लिए, देश दुनिया से लोग दूर दूर से आते है.

6— रोम का कोलोसियम (त्वउंद ब्वसवेमनउ भ्पेजवतल) दृ रोम के इडली में बसा ये एक विशाल स्टेडियम है. रोम में देखने के लिए ये मुख्य आकर्षण है. इसका निर्माण 72 ।क में शुरू हुआ था, जो 80 ।क में पूरा हुआ था. ओवल शेप की ये विशाल आकृति, कंक्रीट व् रेत से बनाई गई थी. इतनी पुरानी ये वास्तुकला आज भी दुनिया के सात अजूबों में अपनी जगह बनाये हुए है. प्राकतिक आपदा, भूकंप से ये थोडा बहुत ध्वस्त हुआ, लेकिन आज भी इसकी विशालता वैसे ही है. यहाँ 50 हजार से 80 हजार लोग बैठ सकते है. यहाँ जानवरों की लड़ाई, खेल कूद, संस्कृतिक कार्यक्रम होते है. यह 24 हजार वर्गमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है. इस जैसी आकृति को बनाने की कोशिश कई इंजिनियरों द्वारा की गई, लेकिन ये एक तरह की पहेली है, जिसे आज तक कोई सुलझा पाया है.

7— माचू पिच्चु (डंबीन च्पबबीन ीपेजवतल) दृ दक्षिण अमेरिका के पेरू में स्थित माचू पिच्चु एक ऊँची छोटी पर स्थित शहर हुआ करता था. समुद्र तल से 2430 मीटर उपर माचू पिच्चु में 15 वीं शताब्दी के समय इंका सभ्यता रहा करती है. इतनी ऊंचाई में शहर कैसे बसा, ये सोचने वाली बात है और यही इसे दुनिया का सातवाँ अजूबा बना देता है. पुरातत्वविदों का मानना है कि माचू पिच्चु का निर्माण राजा पचाकुती ने 1400 के आस पास करवाया था. यहाँ उनके शासक रहा करते थे, उस समय वहां इंका जाती रहती थी. इसके 100 साल बाद इस पर स्पेन ने विजय प्राप्त की, और इसे ऐसे ही छोड़ कर चले गए. उन्हें ये झग से कोई ज्यादा लगाव नहीं था, जिसके बाद इसकी देखरेख करने वाला कोई नहीं था, जिससे यहाँ रहने वाली सभ्यता भी नष्ट हो गई. ये जगह भी इसी के साथ घूम हो गई, लेकिन 1911 में अमेरिका के इतिहासकार हीरम बिंघम ने इसकी खोज की, और इसे दुनिया के सामने लाया. 1983 में यूनेस्को (न्छम्ब्) इसे विश्व की धरोहर घोषित किया. यहाँ इंका सभ्यता की कलाकृति को आज भी देखा जा सकता है, बहुत से वहां ऐसी चीजें अभी मौजूद है, जो उनके द्वारा बनाई गई थी. माचू पिच्चु पर्यटकों का ध्यान अपनी और आकर्षित करता है, इसे देखने कई लोग जाते है.

दी ग्रेट पिरामिड ऑफ गिजा सबसे बड़ा और सबसे पुराना पिरामिड है, जो आज तक इस दुनिया में प्राचीनकाल से मौजूद है. इसलिए इसे एक विशेष सम्मान के तौर पर स्थान प्राप्त है, और 7 वंडर्स के अलावा इसका नाम भी लिया जाता है.

दी ग्रेट पिरामिड ऑफ गिजा (ळतमंज च्लतंउपक व िळप्रं) दृ इजिप्ट पे स्थित गिजा का ये पिरामिड बहुत पुराणी कलाकृति है, जो प्राचीन 7 अजूबे में से एक है. इसका निर्माण 2580—2560 ब में हुआ था. यह 2583283 क्यूबिक मीटर में फैला हुआ. इसकी ऊंचाई 146.5 मीटर है. 3800 साल तक ये सबसे लम्बी मानव निर्मित कलाकृति रही है.

❋ ❋ ❋

# मुझे मिल गया भ्रष्टाचार

कबीन्द्र सिंह
कनिष्ठ सहायक,
होमगार्ड्स मुख्यालय, देहरादून।

भ्र``टाचार अर्थात भ्र``ट + आचार। भ्र``ट यानी बुरा या बि•ड़ा हुआ तथा आचार का मतलब है आचर.ा। जनवरी 2022 में भ्र``टाचार धार.ा सूचकांक 2021 जारी किया •या था, जिसमें विश्व के कुल 180 दे'ाों का आ•ह किया •या था। इसमें डेनमार्क, न्यूजीलैंड और फिनलैंड को संयुक्त :प से पहला स्थान, भारत को 85 वॉ तथा सबसे अन्तिम स्थान द[ि.ा सूडान को मिला था और आज————————

हमारे लाख मना करने पर भी———
हमारे ?ार के चक्कर काटता हुआ———
मुझे मिल •या भ्र``टाचार।
हमने डांटा : नहीं मानो• यार———
तो बोला : चलि,, आपने हमें यार तो कहा———
अब आ• का काम, हम सम्भाल लें•———
आप हमको पाल लीजि,———
आपके बाल—बच्चों को, हम पाल लें•।
हमने कहा : भ्र``टाचार जी!
किसी न`ता या अफ़सर के बच्चे को पालना और बात है———
इन्सान के बच्चे को पालना आसान नहीं है।
वो बोला : जो वक्त के साथ नहीं चलता वो इंसान नहीं है———
मैं आज का वक्त हूँ, कलयु• की धमनियों में बहता हुआ रक्त हूँ———
कहने को काला हूँ म•र मेरे कई रं• हैं———
दहेज़, बेरोज़•ारी, हड़ताल और दं•
मेरे ही बीस सू=ी कार्यक्रम के अ ं• हैं।
मेरे ही इ'ाारे पर रात में हुस्न नाचता है———
और दिन में पंडित रामाय.ा बांचता है———
मैं जिसके साथ हूँ वह हर कान ून तोड़ सकता है———
अदालत की कुर्सी का चेहरा चाहे जिस ओर मोड़ सकता है।
उसके आं•न में अं•ड़ाई लेती है •ुलाबी रात———
और दरवाज़े पर दस्तक देती है सुनहरी भोर———
उसके हाथ का चांदी का जूता, जिसके सर पर पड़ता है———
वही चिल्लाता है— वंस मोर, वंस मोर, वंस मोर।
इसलि, कहता हूँ कि मेरे साथ हो लो———
और बहती ••ा में हाथ धो लो———
हमने कहा : •टर को ••ा कहत` हो?
ये तो वक्त की बात है, जो भारत व``ा में रह रहे हो।
वो बोला : भारत और भ्र``टाचार की राि ,क है———
क'मीर से कन्याकुमारी तक, हमारी ही द`ख—रेख है———
राजनीति हमारी प्रेमिका और पार्टी औलाद है———
अफसर हमारी आया और न`ता हमारा दामाद है।
हमने कहा : ठीक कहते हो भ्र``टाचार जी!
दामाद चुनाव में खड़ा हो जाता है और जीतने के बाद———
उसकी अँ•ुली छोटी और नाखून बड.ा हो जाता है———
म•र याद रखना, दामादों का भवि``य काला है———
बस, तूफ़ान आने ही वाला है।
वो बोला : तूफ़ान आ, चाहे आंधी———
अपना तो ,क ही नारा है———

भरो तिज़ोरी चांदी की, जै बोलो •ांधी की।
हमने कहा : अपन` नापाक मुँह से •ांधी का नाम तो मत लो–––
वो बोला : इस ज़मान` में •ांधी का नाम मेरे सिवाय लेता ही कौन है–––
•ांधी के सि)ांतों पर चलने वालों को जीन` देता ही कौन है–––
मत भूलो कि भ्र''टाचार इस ज़माने की लाचारी है–––
हमें मालूम है कि आप कवि हैं–––
और आपने कविता की कौन–सी लाईन कहाँ से मारी है।
हमने कहा : माना की कविता की लाईन यहॉ–वहॉ से मारी है–––
इससे किसी •रीब, लाचार को परे"ानी तो नहीं आयी है––––
और इसमें भ्र'टाचारी कहां से आयी है–––
•र इसमे कविता वाली फिलिं• नहीं भी आयी है–––
म•र ये लिखने की अपनी स्टाईल है

❋ ❋ ❋

# कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती ।

गम्भीर सिंह बिष्ट
ब्लॉक आर्गेनाईजर

लहरों से डर कर नौका पार नहीं होती, कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती ।।
नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है, चढ़ती दीवारों पर, सौ बार फिसलती है ।।
मन का विश्वास रगों में साहस भरता है, चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है।।
आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती, कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती ।।
डुबकियां सिंधु में गोताखोर लगाता है, जा जा कर खाली हाथ लौटकर आता है।।
मिलते नहीं सहज ही मोती गहरे पानी में, बढ़ता दुगना इसी हैरानी में ।।
मुट्ठी उसकी खाली हर बार नहीं होती, कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती ।।
असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो, क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो।।
जब तक न सफल हो, नींद चौन को त्यागो तुम, संघर्ष का मैदान छोड़ कर मत भागो तुम।।
कुछ किये बिना ही जय जय कार नहीं होती, कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती ।।

❋❋❋

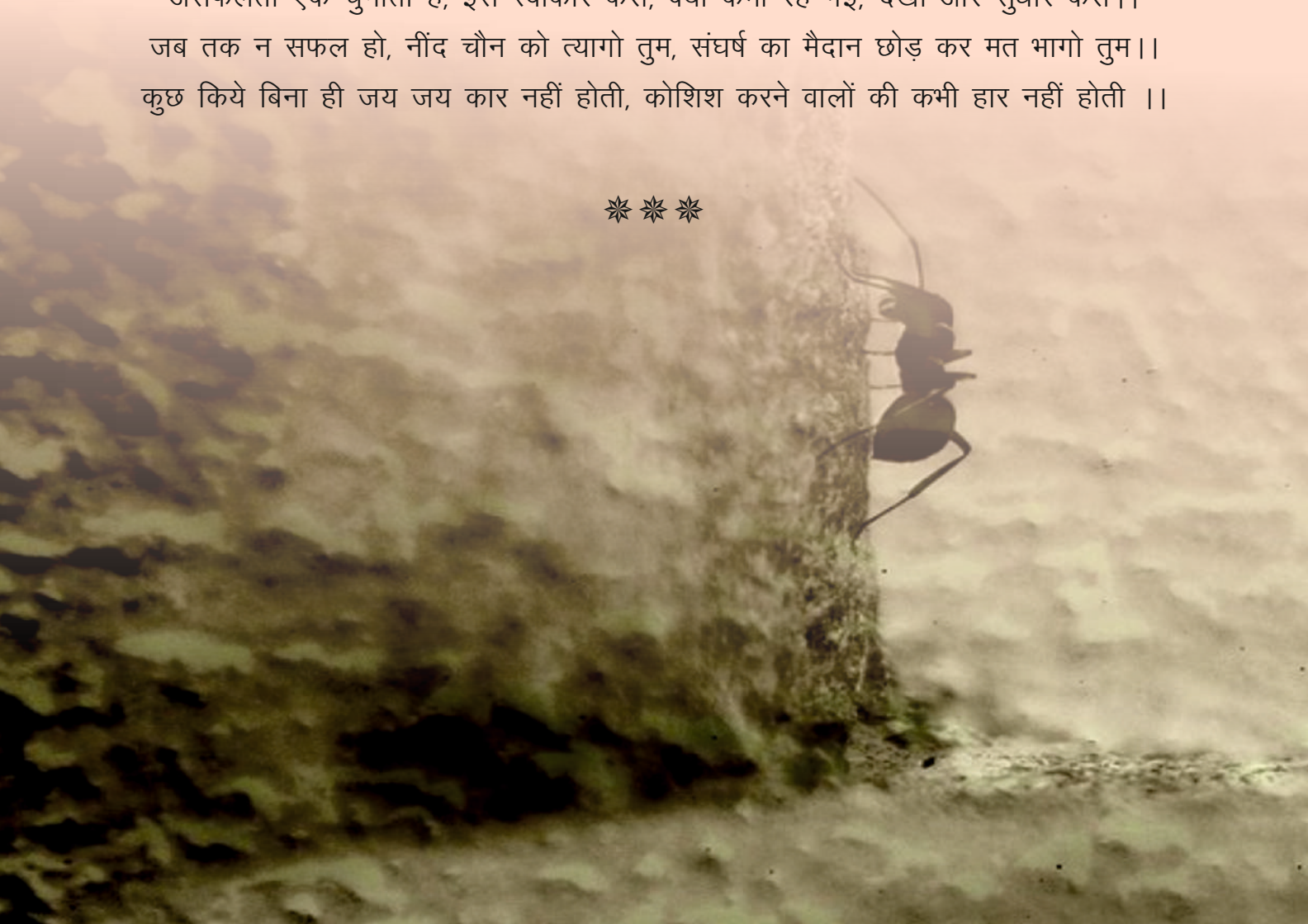

# वो एक नारी है

होमगार्ड्स 3217,भैरवदत्त,
ग्रामीण कम्पनी रामनगर,
जनपद–नैनीताल

वोएक नारी है,
वो घर से निकलती है,
नया एक मकाम बनाती है,
घर आकर अपनी भूमिका बेखुबी निभाती है,
वो एक नारी है ।

मॉ बनकर ममता की न्यौछावर करती है,
पत्नी बनकर सुख–दुखः में साथ निभाती है,
बहन बनकर स्नेह लुटाती है,
हर रुप मे लगती है प्यारी,
वो एक नारी है ।

गर्व से चलती है आज की नारी,
त्याग की सूरत, ममता की मूरत,
ते कभी देवी का प्रतिरुप कहीं,
जैसे जिसने मांग करी,
वह ढलती उसके स्वरुपर ही,
ऐसा कोई क्षेत्र बता दो जिसमें,
नारी ने बुलंदियों को नहीं छुआ है,
वो एक नारी है ।

योद्धा बनी वह हर परिस्थितियों में,
उसके होने से जीवन में जान है,
झंकार है उसकी पायल से,
नहीं तो आंगन सूना और वीरान है,
वो एक नारी है ।

❋ ❋ ❋

# भरा पड़ा इतिहास हमारा वीरों के बलिदानों से।

मुकुल राठी
ब्लॉक आर्गेनाईजर

भरा पड़ा इतिहास हमारा वीरों के बलिदानों से।
वीर सपूतों की गाथा गाता सारा भारत है। देख कर इनका शौर्य दुश्मन भी कप कप कप काप्ता है
छोड़कर जब अपना घर आंगन करते रक्षा हमारी
आतंकी शैतानों से ।भरा पड़ा इतिहास हमारे वीरों के बलिदानों से। मिलती है वर्दी जिनको वह किस्मत वाले होते हैं। उनके होने से हम चौन से सोते हैं। अपने घर आंगन से ना जाने कितनी दूर सपनों का संसार बस आते हैं। जाने कितने सिंदूरी सपने अपने हृदय में ही दफनाते हैं।
त्याग तो उनका देखो बचपन बिताते महलों में। मां की गोद में सर रखकर सोने वाले । आज सरहद पर सीना तान खड़े हैं। आज वह खुद जागते हैं और चौन से हमें सुलाते हैं। खड़े रहते हैं चट्टानों से। देशभक्ति क्या होती है तुम पूछो जरा जवानों से । बचपन का प्यार दुलार भुला कर पतझड़ में आशिया बनाते हैं। देखकर उनका समर्पण भारत भूमि भी थरथर आई। शीश झुका नहीं भले ही अपने प्राण गवाएं हैं। भरा पड़ा इतिहास हमारा वीरों के बलिदानों से। धूल चटाई बैरी को जब उसने आंख उठाई है। भारत की सेना के रूप में मृत्यु उसकी आई है। मार भगाया दुश्मन को सरेआम मैदानों से। भरा पड़ा इतिहास हमारा वीरों के बलिदानों से। हीरो वीर सपूतों की गाथा गाता सारा भारत है।

❋ ❋ ❋

होमगार्ड्स 2124,मोहित पाण्डेय,
शहरी कम्पनी नं0–01 हल्द्वानी ।
जनपद–नैनीताल ।

# भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी, पथ निरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिये तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास धर्म और उपासना की स्वतंत्रता प्रतिष्ठा और अवसर की समानता प्राप्त करने के लिये तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिये दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई0 को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत अधिनियमित और आत्मसमर्पित करते हैं ।

❋ ❋ ❋

# वो एक नारी है

मोहन सिंह सैनी,
अवै0 प्लाटून कमाण्डर
ग्रमीणकम्पनी, रामनगर

मैं जान लो कि तुम हो,
अपनी खुशी संभालने को, तुम कंधे क्यों तलाशते हो,
खुश रहो कि मैं काजल, तुम्हारी आंखों में आकर सवर जाता है ।।

खुश रहो तुम कालिख को तुम निखार देती हो ।
खुश रहो तुम न होती तो क्या–क्या न होता,
न मकानों के पर हुये होते न आसरा होता ।।

न रसोइयों से खुशबु यें ममता की उडर ही होती,
न त्यौहरों पर महफिलें सज रही होती,
खुश रहो कि तुम बिन कुछ नहीं होता ।।

तुम्हारे हुस्न से ये आसमा, दिलकश और ये जमीं हसीं है,
खुश रहो रहो कि ईश्वर ने पैदा किया और गुणवान किया,
फिर क्यों किसी और को तुमने अपनी मुस्कानों का हकदार किया ।।

खुश रहो जान लोकि तुम क्या हो,
चॉद, सूरज, हरियाली, हवा हो ।।

खुशियॉ देती हो खुशियॉ पा भी लो,
कभी बेबात, गुनगुना भी लो, ❋❋❋
अपनी मुस्कारहटों के फूलों को अपनी संघर्ष की मिट्टी में खिलने दो ।

अपने पंखों की ताकत करें अपने आसमान मिलने दो ।।
और हॉमतदूजे कंधे किस हारे छुट जाया करते हैं ।।

# कविता

बंशीधर बुधलाकोटी,
अवै0प्लाटून कमाण्डर होमगार्ड्स,
शहरी कम्पनी नं0–02 हल्द्वानी
जनपद–नैनीताल ।

बातों में कुछ बातें, चीजों में कुछ चीजें देख नहीं पाओगे,
21वीं सदी में ढूड़ते रह जाआगे, टूटते रहजाओगे ।।

<u>क्या</u>

बच्चों में बचपन, जवानों में योवन, सी सोंमेंदर्पण,
जीवन में सावन, गॉव में अखाड़ा शहर में सिघाड़ा,
टेबल की जगह पहाड़ा, पंजाबी में नाड़ा ।
ढूड़ते रह जाओगे–ढूड़ते रह जाओगे ।।

आखों में पानी, दादी की कहानी प्यार के दो पल,
नल–नल में जल, संतों की बाड़ी, कर्ण जैसा दानी,
घर में महमान मनुष्यता का सम्मान, पड़ोसी की पहचान,
ढूड़ते रह जाओगे–ढूड़ते रह जाओगे ।।

रसीकों के का न बृज में भाग, आग में आग,
तराजु में बाट्टा, लडकियों का दुपट्टा,
ढूड़ते रहजाओगे–ढूड़ते रहजाओगे ।।

भरतसाभाई, लक्ष्मणसाअनुयायी,
चूड़ी भरी कलाई, शादी में सहनाई,
सच में सच्चाई, मंच पर कविताई,
गरीब की खोली, आंगन में रंगोली,
परोपकारी बन्दे, अर्थी के कन्धे,
ढूड़ते रह जाओगे–ढूड़ते रह जाओगे ।।

बातों में कुछ बातें, चीजों में कुछ चीजें,
खटटी मीठी कुछ बातें, देख नहीं पाओगे,
21वींसदी में ढूड़ते रहजाआगे, टूटते रहजाओगे ।।

✵✵✵

जुगल किशोर भट्ट
वैतनिक निरीक्षक
जिला होमगार्ड्स कार्यालय
ऊधम सिंह नगर

# कविता

## बचपन की स्मृति

समय ये उड़ता पंख लगाकर,
नहीं ये रूकता पल भर भी । जीवन का रथ सरपट भागे,
पथरीले से पथ पर भी सिथिल हो रही काया हर पल,
मन्द नयन की ज्योति भी।
शक्ल, अक्ल भी बदल रही है,
कमतर होती यादें भी। सर है धवल, बाल भी झड़ते,
क्षीर्ण हो रही चितवन भी।
चाल कदम भी मध्यम पड़ती.
आशांकित अन्तर मन भी । पड़ा जो दर्पण कभी सामने,
जुदा है छवि और योवन भी ।
कहाँ वो दिन गये रंग रंगीले, स्वर्णिम पल और बचपन भी।
यादें जब आती बचपन की
चौन मिले, लगे अच्छा भी ।
अन्तरमन हर दम यह सोचे,
दिल सच्चा है, बच्चा भी । थोड़ा नटखट, थोड़ा चंचल,
थोड़ा थोड़ा कच्चा भी।
मस्त रहो, ढूंढो बचपन को,
जो अद्भुत था, सच्चा भी ।

❋❋❋

# भोलेपन की बात

जितेन्द्र कैन्तुरा
ब्लॉक आर्गेनाइजर

आप बहुत भोले हैं। कई कर यह रजझ आता यह तारीफ है या यह बताया कि आप बेवकूफ होने से बस जा ही दूर है। वैसे आज हम जहाँ है जिन स्थिति–पस्थिति का सामना कर रहे हैं, वैसे मे बोकापन अपनो के लिये करने वाला होता है। भोले लोगो को चाहने वालों के अंक मे सहज यह सवाल उठता है कि आखिर यह आदमी कैसे इस दुनिया में अपना काम चला पायेगा। विरोधाभास यह भी है कि भगवान शिव की लोक भाषा जाता है। जो मोके की है और साईट भी चल रहे है। अख्याल भोळा भेला बाफ व्यदान है जो सभी के ललित है, पर धीरे–धीरे वह खोता जाता है और हमे इसका अफसोस भी नहीं होता

सेखों नहीं एक चुसनी के कि मानव जब मरने के बाद अपर जाता है तो उसकी मुलाकात परमात्मा से होती है। वे महते है कि वो शक् य तक कि नहीं जो अन्य के समय हमने दिया था ? सोनल है। शनि की होली में कहा कि अपने भोलेपन को बचाए रखना जवल जीवन का अहम उद्देश्य है। केका तो समझिन्छे अपने जीवन को सही से जी है। कर पाये

भोलापन बचाए रखना है तो इसके लिए प्रयास करने होंगे। अहं व्याजमा होगा। अपेक्षा रहित होना होगा। सच्चाई पर भरोसा रखना होगा। शांत रहना सम्ममा होना। भोलापन सद्गुण तो है पर अब ऐसे जोको ताव बढ़ रही है जो भोलेपन को चेहरे पर बस आदत है ।

❋ ❋ ❋

# कविता

मौ. अरशद
ब्लॉक आर्गेनाइजर

चढ्दे सूरज ढलदे देखें बुझदे दीवे बलदे देखे!,
चढ्दे सूरज ढलदे देखे
मुझदे दीवे बलदे देखे हीरे दा कोई मोल ना जाणे
खोटे सिकके चलते देखे
जिसका ना है जग में कोई
वो भी पुत्तर पलदे देखे। रब दी रहमत दे नाल बंटे
पाणी उत्ते चलदे देखे !
लोकी कैदै दाल नी गलदी मैं ते पत्थर गलदे देखे।
जिसने कदर ना कीती रब दी हाथ खाली वो मलदे देखे.
कई पैरा तो नगे फिरदे, सिर ते लगदे हावी,
मैनु दाता सब कुछ दिल्ला
क्यों ना शुकर मनावा !

❋ ❋ ❋

# आत्मविश्वास

कवि
(ब्लाक आर्गेनाईजर)

समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं स एक बार पुनः होमगार्ड विभाग के स्थापना दिवस के अवसर पर रैतिक परेड 2022 का आयोजन किया जा रहा है जिसे अन्य वर्षो की भांति और भी अधिक आकर्षक एवं बेहतर बनाए जाने हेतु कमांडेंट जनरल महोदय के सानिध्य में समस्त विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी अपना शत प्रतिशत योगदान दे रहे हैंस

मेरा विचार है कि प्रत्येक व्यक्ति मैं एक विशिष्ट प्रतिभा होती है जिसके लिए वह पहचाना जाता है स या हम यह कह सकते हैं कि कोई और व्यक्ति विशेष उस विशिष्ट कार्य में उससे बेहतर नहीं हो सकता स उदाहरण के लिए यदि कोई पेशेवर वाहन चालक है, तो चाहे कितना भी धनवान /बुद्धिमान /नेता/अधिकारी आदि शख्सियत हो उससे बेहतर ड्राइविंग नहीं कर सकता इसी प्रकार अगर कोई पेशेवर सफाई कर्मी है तो उससे बेहतर सफाई का कार्य कोई अन्य नहीं कर सकता स क्यूंकि विषय का ज्ञाता होना स्वयं में बहुत बड़ी उपलब्धी होती है स अपने फिल्ड का ज्ञान ही आपको उन्नती के पथ पर अग्रसर करने के साथ–साथ आपके आत्मविश्वास में भी वृद्धि करता है स किसी भी व्यक्ति को स्वयं को कम नहीं आंकना चाहिए स उसके मन में यह धारणा होनी चाहिए कि वह अपने कार्यक्षेत्र में सबसे आगे हैं और उसको अपना नैतिकता के साथ अपना आत्मविश्वास बनाए रखा चाहिए।

जिनके इरादे हो पक्के उनका कोई काम नहीं रूकता
आत्मविश्वास की ज्योत के साथ जो चले उसे अंधेरे में भी रास्ता मिलता।

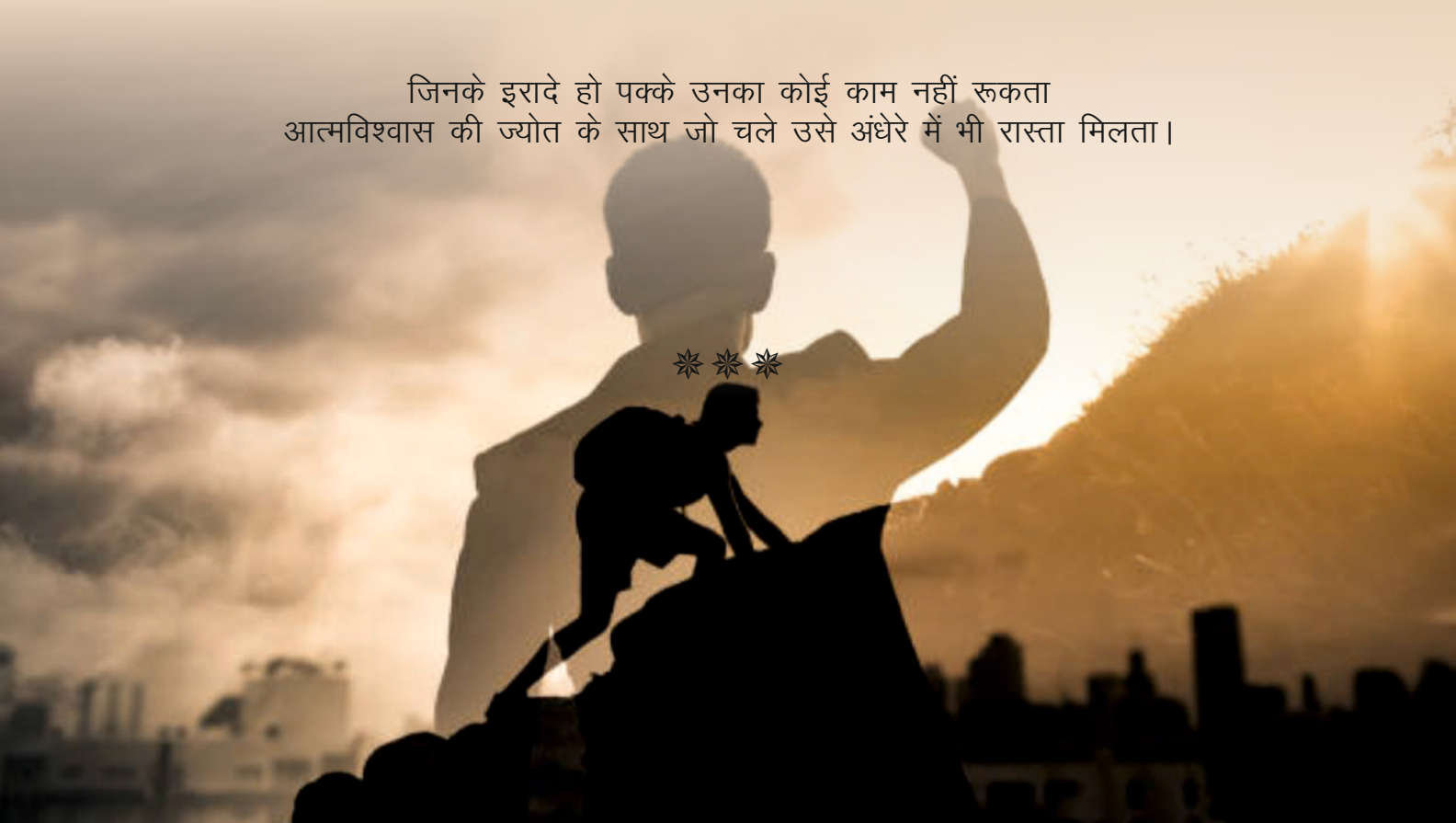

## निम्नलिखित अधिकारियों/कर्मचारियों को सराहनीय कार्यों के लिये राष्ट्रपति का गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा पदक से सम्मानित किया गया:-

| क0स0 | नाम | पदनाम | वर्ष |
|---|---|---|---|
| 1 | श्री भगत सिंह | वरिष्ठ लिपिक | 2004 |
| 2 | श्री योगेम्बर सिंह | स्टाफ अधिकारी | 2010 |
| 3 | श्री श्यामेन्द्र कुमार साहू | प्रधान सहायक | 2011 |
| 4 | श्री के0के0 पाण्डेय | होमगार्ड जवान | 2013 |
| 5 | श्री राजीव बलोनी | स्टाफ अधिकारी | 2016 |
| 6 | श्री अमिताभ श्रीवास्तव | वरिष्ठ स्टाफ अधिकारी | 2017 |
| 7 | श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट | वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी | 2018 |
| 8 | श्री उमेश्वर सिंह रावत | वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी | 2018 |
| 9 | श्री मोहन चन्द्र तिवारी | वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी | 2019 |
| 10 | श्रीमती हेमा कार्की | वैतनिक निरीक्षक | 2020 |
| 11 | श्री सतीश अग्रवाल | मुख्य वार्डन (अवैतनिक) | 2020 |
| 12 | श्री राजेश कुमार सोनकर | वायरलैस ऑपरेटर | 2020 |

## निम्नलिखित अधिकारियों को विशिष्ट कार्यों के लिये राष्ट्रपति का गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा पदक से सम्मानित किया गया:-

| क0स0 | नाम | पदनाम | वर्ष |
|---|---|---|---|
| 1 | श्री श्यामेन्द्र कुमार साहू | प्रशासनिक अधिकारी | 2017 |

## निम्नलिखित अधिकारियों/कर्मचारियों को सराहनीय/उत्कृष्ट कार्य करने के लिये डी0जी0सी0डी0 (ब्रॉज/सिल्वर) मेडल एवं प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया:-

| क0स0 | नाम | पदनाम | वर्ष |
|---|---|---|---|
| 1 | श्री राजीव बलोनी | स्टाफ अधिकारी | 2015 |
| 2 | श्री राहुल सचान | जिला कमाण्डेन्ट | 2015 |
| 3 | श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट | प्रशासनिक अधिकारी | 2015 |
| 4 | श्री श्यामेन्द्र कुमार साहू | प्रशासनिक अधिकारी | 2015 |
| 5 | श्री गौतम कुमार | जिला कमाण्डेन्ट | 2016 |
| 6 | श्रीमती कमला पाण्डे | प्लाटून कमाण्डर | 2016 |
| 7 | श्री अमिताभ श्रीवास्तव | वरिष्ठ स्टाफ अधिकारी | 2017 |
| 8 | सुश्री एकता उनियाल | सहायक उपमहासमादेष्टा | 2017 |
| 9 | श्री सतीश अग्रवाल | मुख्य वार्डन, नागरिक सुरक्षा | 2017 |
| 10 | श्री राजीव बलोनी | वरिष्ठ स्टाफ अधिकारी | 2019 |
| 11 | श्री गौतम कुमार | मण्डलीय कमाण्डेन्ट | 2019 |
| 12 | श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट | वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी | 2019 |
| 13 | श्री श्यामेन्द्र कुमार साहू | वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी | 2019 |
| 14 | श्री जगत सिंह | वैतनिक निरीक्षक | 2019 |
| 15 | श्री हेमा कार्की | वैतनिक निरीक्षक | 2019 |

| क0स0 | नाम | पदनाम | वर्ष |
|---|---|---|---|
| 16 | श्री अमिताभ श्रीवास्तव | डिप्टी कमाण्डेन्ट जनरल | 2021 |
| 17 | श्री विजयपाल | वैतनिक निरीक्षक | 2021 |
| 18 | श्री हिम्मत सिंह | चतुर्थ श्रेणी | 2021 |
| 19 | श्री राजेश कुमार सोनकर | सहायक उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा | 2021 |
| 20 | श्री लोकेश गर्ग | उप प्रभागीय वार्डन नागरिक सुरक्षा | 2021 |

## निम्नलिखित स्वयं सेवकों को कमाण्डेन्ट जनरल होमागार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा डिस्क मेडल (BF GF BC CHRB) से सम्मानित किया गया।

| क0स0 | नाम | पदनाम | जनपद | कार्य विवरण |
|---|---|---|---|---|
| 1 | श्री जगमोहन सिंह | होमगार्ड् | देहरादून | बेहतर टर्नआउट हेतु |
| 2 | श्री प्रताप सिंह | होमगार्ड् | देहरादून | बेहतर टर्नआउट हेतु |
| 3 | श्री सूरज यादव | होमगार्ड् | देहरादून | बेहतर टर्नआउट हेतु |
| 4 | कनिका नेगी | म. होमगार्ड् | देहरादून | बेहतर टर्नआउट हेतु |
| 5 | कु. रेनू | म. होमगार्ड् | देहरादून | बेहतर टर्नआउट हेतु |
| 6 | श्री उदय कुमार | होमगार्ड् | देहरादून | बेहतर कार्य हेतु |
| 7 | श्री सोनिया | म. होमगार्ड् (2203) | हरिद्वार | योग प्रशिक्षण हेतु |
| 8 | श्री कलम सिंह | होमगार्ड् | देहरादून | बेहतर टर्नआउट हेतु |
| 9 | श्री जोगिन्दर सिंह | होमगार्ड् (1400) | देहरादून | बेहतर कार्य एवं टर्नआउट हेतु |
| 10 | श्री ईश्वरी लाल | होमगार्ड् (1183) | चमोली | बेहतर कार्य हेतु |
| 11 | श्रीमती बबली रानी | होमगार्ड् (2214) | हरिद्वार | बेहतर कार्य हेतु |
| 12 | श्री जितेन्द्र सिंह | होमगार्ड् (1349) | चमोली | बेहतर कार्य हेतु |
| 13 | श्री जगदीश प्रसाद | होमगार्ड् (1298) | चमोली | बेहतर कार्य हेतु |
| 14 | श्री अनिल कुमार | होमगार्ड् (1173) | चमोली | बेहतर कार्य हेतु |
| 15 | श्री बलबीर लाल | होमगार्ड् (1171) | चमोली | बेहतर कार्य हेतु |

# होमगार्ड्स कल्याण कोष के लाभार्थियों का विवरण

## दिनांकः माह मार्च 2022 को होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा मुख्यालय में आहूत कल्याण कोष की बैठक में स्वीकृत किये गये प्रकरण।

| क0स0 | प्रकरण | संख्या | धनराशि |
|---|---|---|---|
| 1 | सेवा पृथक | 42 | रू0 ब्यालिस लाख |
| 2 | मृतक | 10 | रू0 सोलह लाख |

## उत्तराखण्ड शासन की अपेक्षाअनुसार दिनांकः 23 नवम्बर 2022 को होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा मुख्यालय में आहूत कल्याण कोष की बैठक में स्वीकृत किये गये प्रकरण।

| क0स0 | प्रकरण | संख्या | धनराशि |
|---|---|---|---|
| 1 | सेवा पृथक | 58 | रू0 अट्ठावन लाख |
| 2 | मृतक | 7 | रू0 चौदह लाख |
| | योग | 1,30,00000 (एक करोड़ तीस लाख) | |

❋ ❋ ❋

# निर्देशिका–2021

**Shri Keval Khurana, I.P.S.**
Dpn n boebou!Hf of sbm!boe !Ejsf dups!Djwjm!Ef gf odf
Qi pof;!1246.3895582-!N pc/;!8611: 98111!
F.n bjm;!dhi hdevl A hn bjm/dpn



**Shri Amitabh Srivastava**
Ef qvuz !Dpn n boebou!Hf of sbm
Qi pof;!1246.3: 84: 48-!: : 288: 111:
F;!ezdh/i hdei r /vl A hn bjm/dpn



**Shri Rajeev Baloni**
Ef qvuz !Dpn n boebou!Hf of sbm
Qi pof !1246.3895583-!: 522222: : 5
F.n bjm;!n jsbkn 1 j118A hn bjm/dpn



**Ms. Ekta Uniyal**
Tf ojps!Tub !P df s
Qi pof ;!: 5226115: 5
!f1 ubvojzbm1423A hn bjm/dpn



**Mr. Lalit Mohan Joshi**
Ejwjtjpobm!Dpn n boebou!I pn f !Hvbset-
Lvn bvo!N boebm
N pc/!: 523: 7: 622
!ejwdpn ounA hn bjm/dpn



**Smt. Pratima**
Bttu/!Ef qvuz !Dpn n boebou!Hf of sbm
Qi pof;!: 526454862
!edi h/vto/vl A hn bjm/dpn



**Shri Gautam Kumar**
Ejwjtjpobm!Dpn n boebou!I pn f !Hvbset-
Hbsi x bm!N boebm
N pcjmf!: 568696411
!F.n bjm;ejwi h/hbsi x bmA hn bjm/dpn



**Dr. Rahul Sachan**
Tub !P df s
N pcjmf;!: 526373121
!E-mail:tub p df si hi r A hn bjm/dpn



**Mr. Nitin Kakerwal**
Ejtu/!Dpn n boebou-!Bm psb
Mobile:!894921: 3: 5
!F.n bjm;edi hbm A hn bjm/dpn



**Shri Nirmal Joshi**
Ejtu/!Dpn n boebou-!S vesbqsbzbh
N pcjmf;!9937992636
!F.n bjm;edi hschA hn bjm/dpn



**Mr. Mohan Prasad Maithani**
Ejtu/!Dpn n boebou!Di bn qbx bu
N pcjmf!: : 28741345
!F.n bjm;!vl /edi h/dn qA hn bjm/dpn



**Mrs. Anjana Rawat**
Ejtu/!Dpn n boebou-!E UD!Tsjobhbs
Mobile:!: 871579: :
!F.n bjm;!dpn /eud/t shA hn bjm/dpn

Vubsbl i boe !I pn f !Hvbset ! !Djwjm!Ef gf odf !)Hpwu/!pg!Vubsbl i boe*
I pn f hvbset !I fber vbuf s!Oboovsl f eb-!S bjqvs-!Ef i sbevo!Vubsbl i boe.359119
Qi pof;!, : 2!246!3895584!)!!, : 2: 569: 61925-!x f c;!x x x /ojti l bn i hde/vl /hpw/jo

## रैतिक परेड-2021 में सम्मिलित अधिकारीगण

श्री निर्मल जोशी
परेड कमाण्डर

श्री नितिन काकरेवाल
सेकेण्ड इन कमाण्ड

श्रीमती बबीता रावत
परेड एडज्यूटेन्ट

## रैतिक परेड-2022 में सम्मिलित कम्पनी कमाण्डर/टोली कमाण्डर

श्री चन्द्रकान्त बिष्ट
कम्पनी कमाण्डर (1)

श्री चेतन मैठाणी
कम्पनी कमाण्डर (2)

श्री मुकुल राठी
परेड मेजर

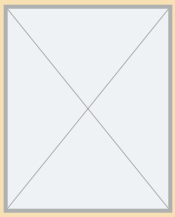

कु0 आशा

श्री सोनू

श्री विनोद

श्री ओमवीर

श्री जितेन्द्र कैन्तुरा

श्री कमल

## स्मारिका सम्पादक सहयोगी सदस्य

श्री प्रकाश चन्द्र बहुगुणा

## कार्यक्रम संचालन टीम

श्री तरूण मेहरा

कु0 हेमा

## ग्राउण्ड स्टाफ

श्री राजपाल सिंह राणा

श्री मौ. अरशद

स्मारिका में दी गई रचनाओं के कथनों/तथ्यों के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी है।